ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

वर्ष - 02, अंक -36 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 11 मई से 17 मई 2023 (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

अपनी सीमाएं लांघ रही है ईडी -भूपेश

रायपुर। ईडी और भाजपा के साथ डिस्टलरों की सांठगांठ हो गई है, ईडी नियमों की सीमा लांघ कर काम कर रही है, जिन मामलों के तहत ईडी कार्रवाई कर रही है वह नियम विरुद्ध है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शराब घोटाले में ईडी द्वारा उनका भी कथित तौर पर जोड़े जाने की बात पर गहन नाराजगी जताते हुए कहा कि अब तो स्पष्ट हो गया कि उन्हे और उनकी सरकार को बदनाम करने की बड़ी साजिश चल रही है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि ईडी द्वारा शराब घोटाले में मेरा नाम जोडने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया ट्रायल के तहत ईडी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रही है, ईडी और डिस्टलरों के बीच जो सांठगांठ का खेल चल रहा है उससे यह साफ होता है कि भाजपा भी उनके साथ इस खेल में शामिल है। मुख्यमंत्री ने ईडी पर सवाल दागा कि जब डिस्टलरों का नाम सामने आया है तो उन्हें क्यों नहीं गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने सपाट शब्दों में कहा कि ईडी नियमों के विपरीत जाकर कामों को अंजाम दे रही है। इस पूरे मामले पर हम विधि विशेषज्ञों से सलाह - मशविरा कर रहे है और जल्द ही कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी कांग्रेस ने कहा था कि ईडी भाजपा के एजेंट के रुप में काम कर रही है, वह भाजपा की एक अधिनस्थ संस्था बन चुकी है। उन्होंने कहा कि एक्साइज ड्यूटी पटाए बिना शराब बेचने का आरोप लगाया जा रहा है, उससे यह कतई साफ नहीं होता कि ईडी डिस्टलर को अपराधी बनाएगी या गवाह बनाकर किसी के खिलाफ पेश करेगी। डिस्टलरों को जिस प्रकार से बचाया जा रहा है उससे साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं इसमें भाजपा का हाथ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में एसीबी कार्रवाई करेगी। एक्सटोशन और भ्रष्टाचार पर कार्रवाई ईडी के तहत नहीं की जा सकती। ये कार्य संघीय ढांचे के मूल भावना के विपरीत है। विधि विशेषज्ञों से हम सलाह ले रहे है। जल्द इसके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जायेगी।

ईडी की कार्रवाई को अब कांग्रेस ने छीसगढिया़ स्वाभिमान से जोडकर भाजपा पर किया हमला

रायपुर। प्रदेश में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को अब कांग्रेस ने छत्तीसगढिया़ स्वाभिमान से जोड़ दिया है। कांग्रेस ने प्रदेशभर में पहले ईडी और भाजपा के खिलाफ मैदानी स्तर पर प्रदर्शन करके विरोध जताया। इसके बाद इंटरनेट मीडिया पर कैंपेन शुरू किया है। कांग्रेस ने छत्तीसगढिया़ मुख्यमंत्री के खिलाफ भाजपा का षडयंत्र शीर्षक से एक दर्जन पोस्टर जारी किए हैं। इसमें बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ महतारी के सपूत को मुख्यमंत्री पद पर देखकर भाजपा बेचैन हो गई है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्वीटर से ट्वीट किया कि शराब कारोबारी ने न्यायालय में कहा कि उस पर मुख्यमंत्री का नाम लेने का दबाव बनाया जा रहा है, यह मोदी सरकार के बड़े षडयंत्र को उजागर करता है। एक चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का यह षडयंत्र मोदी सरकार का अलोकतांत्रिक चेहरा बेनकाब कर रहा है। कांग्रेस ने पोस्टर जारी करके कहा कि भाजपा-ईडी के षडयंत्र को हम सब जानते हैं, भ्रष्टाचारी भाजपा को हम सब मिलकर सबक सिखाएंगे। एक पोस्टर में लिखा कि भूपेश जी आगे बढ़ो, ईडी-भाजपा के गठबंधन केा हम पानी पिला देंगे। ईडीगिरी नहीं चलेगी, कका को बदनाम करने की कोशिश कामयाब नहीं होने वाली है। एक पोस्टर में लिखा है, शर्म करो भाजपा वालों, एक छत्तीसगढिया़ मुख्यमंत्री देखकर कब तक जलोगे। कांग्रेस ने बीजेपी-ईडी नैक्सस हैशटैग से इंटरनेट मीडिया पर कैंपेन चलाया है, जिसमें अब तक सैकड़ों ट्वीट हो चुके हैं।

अरपा को बारहमासी नदी में तदील करने तेजी से काम करने की जरूरत : भूपेश बघेल

- नदी के पुनर्जीवन के लिए जनसहभागिता जरूरी : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने ली अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण की बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अरपा बेसिन में संचालित तमाम सिंचाई परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अरपा नदी क्षेत्र के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं हैं। इसे पुनर्जीवित करने के लिए इससे जुड़े तमाम विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करना सुनिश्चित करें ताकि जल्द से जल्द अरपा नदी की प्यास बुझाकर इसे पूर्व की तरह बारहमासी नदी में तब्दील किया जा सके। श्री बघेल भेंट मुलाकात के दौरान बिलासपुर में आज अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नदी को पुन:जीवित करने के लिए शासकीय प्रयासों के साथ जनसहभागिता भी जरूरी हैं। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री शैलेश पाण्डेय, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, श्री रजनीश सिंह, अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अभयनारायण राय, पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव, महापौर श्री रामशरण यादव सहित जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग, कलेक्टर सौरभकुमार सहित कोरबा कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा, मुंगेली कलेक्टर श्री राहुल देव, जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्राधिकरण के सदस्य उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि अरपा नदी जलग्रहण क्षेत्र का संपूर्ण विकास के लिए अगस्त 2021 में नये स्वरूप में अरपा बेसीन विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। वैज्ञानिक आधार पर ऐसी संरचनाओं का निर्माण किया जायेगा जिससे नदी में बारहों महीने पानी बहती रहे। प्राधिकरण के क्षेत्र में बिलासपुर सहित जीपीएम, मुंगेली और कोरबा जिले की 625 गांव शामिल हैं। इन ग्रामों की 3,634 वर्ग किलोमीटर इसके जलग्रहण क्षेत्र में शामिल हैं। अरपा एवं इसकी सहायक नदियों में जल संसाधन विभाग द्वारा छोटी बड़ी मिलाकर 116 योजनाएं संचालित हैं, इनकी रूपांकित सिंचाई क्षमता 86 हजार 605 हेक्टेयर है। अरपा नदी को जीवंत बनाए रखने के लिए फिलहाल 3 बैराज परियोजनाएं प्रगति पर हैं। इनमें अरपा भैंसाझार, शिवघाट व पचरीघाट शामिल हैं। इसके अलावा वर्ष 2023-24 के बजट में छपरा टोला सहित 9 योजनाएं मंजूर की गई हैं। इन योजनाओं से अरपा में पानी छोड़कर पुनर्जीवित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्राधिकरण में चल रहे विकास कार्यों का प्रस्तुतीकरण देखा। उन्होंने कहा कि शहर से लगे अरपा नदी में निर्माणाधीन शिवघाट बैराज को जून माह के अंत तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। इस बैराज के बन जाने से शहर की जल समस्या काफी हद तक दूर होगी। बैठक में अरपा विकास प्राधिकरण के सदस्य श्री महेश दुबे, श्री नरेन्द्र बोलर, श्रीमती आशा पाण्डेय भी उपस्थित थी। अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अभय नारायण राय ने स्वागत उद्बोधन दिया।

'नशा मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान को सफल बनाने में हम सबकी महती भागीदारी हो

समाज के नवनिर्माण में 'नशा मुक्ति अभियान' एक सराहनीय पहल - मुयमंत्री बघेल

- प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रायपुर में 'नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा राजधानी रायपुर स्थित शान्ति सरोवर में आयोजित नशामुक्त भारत अभियान के तहत 'नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' के शुभारंभ समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, गृह सचिव श्री अरूण देव गौतम, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के डॉ. सचिन परब, डॉ. बनारसी लाल शाह, ब्रम्हकुमारी हेमलता, ऊषा बहन उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए 'नशा मुक्त भारत अभियान' समाज के निर्माण की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस तारतम्य में चलाए जा रहे 'नशा मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान को सफल बनाने में हम सबकी महती भागीदारी हो।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि नशे की शुरूआत आमतौर पर बाल्यकाल या युवावस्था से होती है। पहले शौक-शौक में पीना शुरू करते हैं, जो धीरे-धीरे आदत बन जाती है। यह जीवन में कड़वाहट घोल देता है। नशा एक बड़ी सामाजिक बुराई है, जो शारीरिक और मानसिक रूप से हम सबके लिए काफी नुकसानदेह है। यह व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर दुष्प्रभाव डालता है। नशा मुक्ति के लिए सामाजिक एकजुटता से जागरूकता अभियान चलाना एक अच्छा विकल्प है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने समारोह में उपस्थित लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि हमें मानवता की सेवा का नशा करना चाहिए क्योंकि इसका नशा सबसे बड़ा है। जिसके सामने हर नशा पीछे छूट जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने नशा मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को नशामुक्त भारत अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं और शासन की ओर से सहयोग का आश्वासन भी दिया। उन्होंने केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू के तहत चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के लिए प्रदेश के सभी जिले के लिए अभियान यात्रियों के झण्डा कलश यात्रा का शुभारंभ भी किया।

कीर्ति चक्र से सम्मानित शहीद नारायण सोढ़ी की पत्नी ने कहा,

मेरे पति ने देश में अमन चैन के लिए दी अपनी शहादत

- शहीद नारायण सोढ़ी को 9 मई को राष्ट्रपति ने कीर्ति चक्र से सम्मानित किया

रायपुर। सुशीला सोढ़ी के लिए 9 मई का दिन बहुत भावुक क्षण था, जब राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उनके पति शहीद नारायण सोढ़ी को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया। कृतज्ञ राष्ट्र ने उनके पति की असाधारण वीरता का सम्मान किया था। सुशीला ने बताया कि उनके लिए राष्ट्रपति के हाथों यह सम्मान ग्रहण करना बहुत गौरवपूर्ण क्षण था।

शहीद जवान की पत्नी सुशीला ने स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि मेरे पति ने अपने देश के लिए शहादत दी। उन्होंने देश में अमन चैन के लिए अपनी शहादत दी। मेरे पति का जन्म बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड के पुन्नूर में हुआ था। उन्होंने नक्सल हिंसा को निकट से देखा था। सलवा जुडूम आंदोलन के समय अपने गाँव से दूर होने का दुख उन्होंने झेला था। वे एसपीओ के रूप में भर्ती हुए और माओवाद के खिलाफ जंग शुरू की। 2010 में वे जिला बल में तैनात हुए। सन् 2006 में सलवा जुडूम आंदोलन के दौरान उन्हें परिवार समेत मूल गांव छोड़ना पड़ा था। बीजापुर जिले के टेकलगुडेम में हुए नक्सल ऑपरेशन के दौरान वे वीरगति को प्राप्त हुए थे।

सुशीला ने बताया कि जिला बल में तैनात रहते हुए उन्होंने हमेशा चौकस रहकर कार्य किया। वे जब भी घर आते तो बताते कि किस तरह से नक्सल उन्मूलन की कठिन लड़ाई कर रहे हैं। हम सबको उनके साहस को देखकर बहुत अच्छा लगता। वो बताते कि कई बार रात-रात भर जंगलों में उन्हें सुरक्षा बलों के साथ मोर्चे पर जाना होता। इतने कठिन जीवन के बावजूद उनके चेहरे पर हमेशा संतोष रहता था कि वे अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए यह कार्य कर रहे हैं। वे हमेशा कहते कि जब हम साहस करते हैं तभी हम बिना डर के जीवन जी सकते हैं। सुशीला ने बताया कि उनके पति ने देश के लिए असाधारण त्याग किया है और देश ने उन्हें इसके लिए सम्मानित भी किया है। हमारा पूरा परिवार इस सम्मान में हिस्सेदारी महसूस करता है और राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता महसूस करता है। उन्होंने कहा कि मेरी तीनों बेटियां और बेटा सभी आज गौरवान्वित हैं। यह सम्मान पूरे बस्तर का सम्मान है। छत्तीसगढ़ का सम्मान है।

मूलभूत सुविधाओं के नाम पर पंचायत प्रतिनिधि कर रहे बड़ा खेल!

जहाँ सड़क नही वहां बना डाली पुल पंचायत का नया कारनामा!

दन्तेवाड़ा/ - अगर किसी को सहुलियत के लिए कार दे दिया जाये और उसे चलाने के लिए पेट्रोल नही दिया जाये तो सोचिए क्या होगा। यही हाल जिला दन्तेवाड़ा के जनपद पंचायत दन्तेवाड़ा के ग्राम पंचायत चितालंका का हैं। जहा पर पुल का निर्माण कार्य मई वर्ष 2023 में किया जा रहा हैं। पुल निर्माण का कार्य प्रगतिशील है, पुल का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका हैं। मगर पुल के आगे सडक ही नही है, जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी रोष पनप रहा हैं। पुल के आगे सड़क ना होने के कारण यह मात्र एक सफेद हाथी बन कर रह गया हैं। इस तरह के पुल निर्माण से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड सकता हैं।

बडे ही आश्चर्य की बात है कि जिस परपस से पुल का निर्माण कार्य करवाया गया उसका उद्देश्य पूरा होना चाहिए। यह समझ से परे है, पंचायत के प्रतिनिधि किस तरह से पंचायत के पैसे का दुरूपयोग करते हैं। इसका ताजा उदाहरण ग्राम पंचायत चितालंका आवराभाटा टीवीएस शो रूम से

मात्र 100 मीटर की दूरी पर पुल निर्माण कार्य को देख कर अंदाजा लगाया जा सकता हैं। ऐसे पुल का निर्माण कर सरकार के पैसे की फिजूल खर्ची हैं।

गौरतलब करने वाली बात है कि विकास कार्यो का सिस्टम किस कदर सिर्फ ऊपरी कमाई का जरिया बन कर रह गया हैं। इस का उदाहरण है कि ग्राम चितालंका के सचिव एवं सरपंच द्वारा बिना सड़क के अनुपयोगी पुल निर्माण कार्य को देख कर मिल जायेगा। बगैर सड़क के पुल निर्माण पर लाखों की रकम फूकी जा रही हैं।

आपको बताना लाजमी है कि पंचायत सचिव एवं सरपंच पर हो सकती है कार्रवाई गैर जरूरी कामों पर लाखों रूपये फूंकने पर ,सचिव,सरपंच रडार पर आ रहे हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि इसकी जांच होनी चाहिए। ये मामला सामने आने के बाद सभी निर्माण कार्यो की जांच हो, देखा जाए कि वहा निर्माण की आवश्यकता थी भी या नही।

इस सम्बन्ध में जानकारी के लिए जनपद पंचायत दंतेवाड़ा के कार्यालय में सम्पर्क किया गया तो पता चला कि जनपद सीईओ छुट्टी पर है। उनकी अनुपस्थिति में भागीराम साहू जनपद सीईओ का कार्य देखेंगे। उन्होंने बताया कि इस सम्बंध में मुझे कोई भी जानकारी नही हैं। मैं अभी दो दिन हुआ हैं मेडम की अनुपस्थिति में कार्यभार ग्रहण किया हूँ।

भागीराम साहू करारोपण अधिकारी
जनपद पंचायत दंतेवाड़ा

चितालंका सरपंच से इस सम्बंध में चर्चा की गई तो उन्होंने कहा की उन्हें कुछ लोगों ने मौखिक तौर से बोला तो सरपंच ने प्रस्ताव बनाकर पुल निर्माण कार्य की मंजूरी दी।

सुनील कश्यप
सरपंच चितालंका

जिला अस्पताल में शुरू हुई कीमोथेरेपी की सुविधा स्तन कैंसर का किया गया सफल ऑपरेशन

दंतेवाड़ा/ । जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में आज स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के तहत सिटी स्कैन मॉड्यूलर ओटी में डायलिसिस यूनिट के पश्चात अब कीमोथेरेपी की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इससे जिले के कैंसर पीड़ित मरीजों को कीमोथेरेपी के लिए बड़े शहरों में जाने से निजात मिलेगी। उल्लेखनीय है कि विभाग के द्वारा जन सामान्य को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार नित नए प्रयास किए जा रहे। हैं इसी क्रम में कीमोथेरेपी की सुविधा के लिए डॉक्टर चक्रधर बरिया द्वारा उज्जैन से कीमोथेरेपी के लिए विशेष प्रशिक्षण लिया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम फरसपाल के टोटापारा की रहने वाली 45 वर्षीय मनकी बाई स्तन कैंसर से पीड़ित थी जिसके द्वारा विभिन्न जगह पर इलाज कराया गया। जिला अस्पताल में भर्ती कराने के पश्चात सर्जन डॉक्टर राकेश राय के द्वारा उनकी विशेष जांच कर सर्जरी के लिए तैयार किया गया एवं परिजनों की सहमति के पश्चात मनकी बाई का सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के

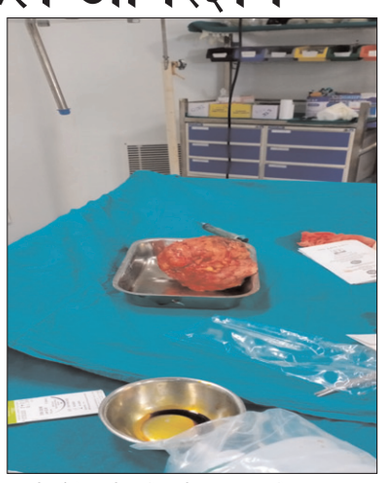

पश्चात मन की बाई अपने आप को बेहतर महसूस कर रही है। इस संबंध में डॉ राकेश राय ने बताया कि प्रारंभिक जांच के पश्चात मनकी बाई के स्तन से 8.8 सेमी. कैंसर ग्रसित भाग को निकाला गया। जिसे पैथोलॉजिकल जांच के लिए भेजा गया है जांच के पश्चात उसके कैंसर के स्टेज के पता चलने पर उपचार प्रारंभ किया जाएगा। सिविल सर्जन डॉक्टर आर एल गंगेश ने बताया है कि जिला चिकित्सालय में कीमोथेरेपी की सुविधा लोगों को लगातार मिलेगी इसके लिए विशेष यूनिट एवं चिकित्सकों की व्यवस्था की जाएगी।

कलेक्टर ने किया छिन्दगढ़ विकासखण्ड का दौरा

सुकमा। कलेक्टर हरिस. एस ने आज छिन्दगढ़ विकासखण्ड के दौरे में निर्माणधीन आत्मानंद स्कूल, पुसपाल-ओडिसा से जुड़ने वाली सड़क, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तोंगपाल, सौतनार और पोषण पुनर्वास केन्द्र छिन्दगढ़, तोंगपाल के निर्माणाधीन कॉलेज भवन में दस्तक दी। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान चिकित्साकर्मियों, मितानिनों की उपस्थिति की जानकारी ली। साथ ही दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं उसे व्यवस्थित तरीके से रखने और लेब टेक्निशियन की नियुक्ति करने के साथ ही डेंगू मलेरिया की जांच जारी रखने के निर्देश दिए। साथ ही लेबर कक्ष में रखे उपकरणों, वैक्सीन रूम और कोल्ड चैन की स्थिति की जानकारी ली और ओपीडी कक्ष, पंजीयन रजिस्टर का अवलोकन किये। कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सह आयुष स्वास्थ्य केंद्र सौतनार में व्यवस्थित रखे दवाओं और कार्यप्रणाली की सराहना की। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीज से कुशलक्षेम पूछा और प्रदान की जा रही सेवाओं की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी पीएचसी में लैब टेक्नीशियन सुनिश्चित करने और मेडिसिन की व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ ही पीएचसी तोंगपाल में होने वाले टेस्टिंग की सूची लगाने को कहा। उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूल तोंगपाल, कुकानार, पुसपाल, निर्माणाधीन कॉलेज भवन तोंगपाल और पुसपाल में ओडिसा सरहद को जोड़ने वाली निर्माणाधीन पूल का निरीक्षण किया। उन्होने सौंदर्यीकरण, प्रवेश द्वार, खिड़की, बाउण्डरीवॉल के कार्यों में गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही कार्य में कोताही बतरने पर कार्यवाही करने की भी चेतवनी दी। छिन्दगढ़ के स्वामी आत्मानंद स्कूल में चल रहे समर कैम्प का भी जायजा लिया।

कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए काउंसलिंग कैम्प का आयोजन

संसदीय सचिव शिशुपाल शोरी ने किया काउंसलिंग का निरीक्षण

कांकेर। जिले के बेरोजगार युवाओं को कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार, स्व-रोजगार से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन कांकेर द्वारा 12 कोर्स में रोजगारोन्मुखी कोर्स में लघु अवधि का प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण हेतु युवाओं के चयन के लिए जिले के सभी विकासखण्डों में क्लस्टरवार काउंसलिंग कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के इस अनूठी पहल से युवाओं को काफी सुविधा हुई है, युवतियॉ भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। आज बुधवार को नरहरपुर विकासखण्ड मुख्यालय एवं ग्राम पंचायत उमरादाह में काउंसलिंग कैंप का आयोजन किया गया। संसदीय सचिव एवं स्थानीय विधायक शिशुपाल शोरी ने उक्त काउंसलिंग कैम्प का निरीक्षण कर एजेंसियों से कौशल विकास प्रशिक्षण की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने काउंसलिंग में उपस्थित युवाओं से रूबरू चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और अधिक से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। संसदीय सचिव श्री शोरी को अपने बीच पाकर काउंसलिंग में उपस्थित युवा बहुत उत्साहित हुए और उन्होंने अपनी समस्याओं को खुलकर साझा किया।

उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण हेतु बेरोजगार युवाओं के चयन के लिए विभिन्न विकास खण्डों में क्लस्टरवार आगामी 25 मई तक काउंसलिंग कैम्प का आयोजन किया जायेगा। गत दिवस चारामा विकासखंड में आयोजित काउंसलिंग कैम्प में 365 युवाओं ने भाग लिया। आज नरहरपुर एवं उमरादाह में आयोजित काउंसलिंग में 151 युवा शामिल हुए। इस प्रकार अब 516 युवाओं ने काउंसलिंग कैंप में हिस्सा लिया है। विकासखण्ड चारामा के क्लस्टर कोटतरा में 121, चारामा में 89, जेपरा में 89 और लखनपुरी क्लस्टर में 66 तथा नरहरपुर विकासखण्ड के नरहरपुर क्लस्टर 95 और उमरादाह में 56 युवाओं ने विभिन्न कोर्स जैसे टू व्हीलर-फोर व्हीलर टेक्निशियन, इलेक्ट्रिशियन, हाउस किपिंग, ब्यूटीशियन, वेल्डिंग, ड्राईवॉल फालसिलिंग, प्लंबिंग, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड आदि कोर्स के लिए काउंसलिंग में हिस्सा लेकर अपना पंजीयन करवाया है। इसी तरह विकासखंड नरहरपुर के क्लस्टर दुधावा एवं सरोना के ग्राम पंचायत भवन में 11 मई को काउंसलिंग कैंप का आयोजन किया जाएगा।

बदलता दन्तेवाड़ा: नई तस्वीर : मातृत्व को सम्मान देती 'कौशल्या मातृत्व योजना'

ग्राम फुलपाड़ की 'लक्ष्मी और भीमे' को भी मिला योजना का लाभ

दंतेवाड़ा/ । नि:संदेह मातृत्व महिलाओं के लिए कठिन दायित्व में से एक है एक नई जिंदगी को लाने के पश्चात उसके पालने और संभालने में हर दिन चुनौतियों का सामना प्रत्येक मां करती है। इस क्रम में छग सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जनहितैषी योजनाओं में से एक कौशल्या मातृत्व योजना ऐसे ही माताओं को समर्पित हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की मंशानुरूप इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूसरी बार बेटी को जन्म देने वाली महिलाओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान करके आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। इसके अन्तर्गत दूसरी बार बेटी को जन्म देने वाली महिलाओं को 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। ताकि महिलाएं अपने नवजात बालिका शिशु का अच्छे भरण-पोषण देखभाल कर स्वयं आत्मनिर्भर बनें। विशेष तौर पर बेटियों को जन्म देने वाली माताओं को प्रोत्साहित करना भी इस योजना के उद्देश्यों में समाहित हैं।

उल्लेखनीय है कि इस योजना की

शुरुआत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा 1 मार्च 2021 को किया गया था। इस योजना के तहत दूसरी बार बेटी को जन्म देने वाली माताओं को 5000 की प्रोत्साहन राशि छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा दी जा रही है। इस योजना के माध्यम से राज्य में बेटियों को जन्म देने वाली महिलाओं की जीविका में सुधार आने के साथ-साथ ही वित्तीय रूप से कमजोर वर्ग के परिवार के लिए यह योजना बहुत ही लाभकारी सिद्ध हुई है। जिले में भी ग्राम फुलपाड़ की पटेलपारा निवासी लक्ष्मी पति भामन एवं जूनापारा की श्रीमती भीमे पति भीमा भी इस योजना से लाभान्वित हितग्राहियों मे से एक हैं जिन्हें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा लाभ दिलवाया गया। इस प्रकार योजना के लक्ष्यों से जाहिर हो जाता है कि इसका उद्देश्य निर्धन वर्ग के महिलाओं की जीविका में सुधार लाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि बेटा और बेटी के बीच भेदभाव एवं समाज में बेटियों को बोझ समझने जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों को रोकने में भी यह योजना सहायक होगी।

विभाग ने निविदा का प्रकाशन स्थानीय समाचार पत्रों में नही दिया दन्तेवाड़ा के सरकारी वेब साइड पर निविदा डाली!

सरकारी शराब दुकान में खाली कार्टून एवं खाली शीशी की निविदा में हुआ बडा खेल!

आबकारी विभाग को इस निविदा से 28.00 रूपये राजस्व की हानि हुई हैं!

दन्तेवाड़ा/ छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दन्तेवाड़ा जिले में संचालित मदिरा दुकान क्रमांक 01 देशी मदिरा दुकान दन्तेवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र टेकनार रोड दन्तेवाड़ा 2. विदेशी मदिरा दुकान दन्तेवाड़ा 3. विदेशी मदिरा दुकान गीदम हारम 4. विदेशी मदिरा दुकान बचेली दशरथपारा वार्ड क्रमांक 01 5. विदेशी मदिरा दुकान किरन्दुल पटवारी पारा कुल 05 मदिरा दुकानों के खाली कार्टून खाली शीशी कॉच की निविदा विभाग द्वारा गठित चयन कमेटी के सामने निविदा 04 मई 2023 को शाम 5.00 बजे खोली गई।

विभाग ने निविदा में बडा खेल खेलते हुए अपने चहीते को बडी चतुराई के साथ

निविदा दे दी। इससे पूर्व जब निविदा हुई थी तो स्थानीय पेपर भारत भास्कर में निविदा का प्रकाशन हुआ था। मगर 04 मई के निविदा में किसी भी स्थानीय पेपर में निविदा का प्रकाशन नही हुआ। दन्तेवाड़ा के सरकारी वेब साईड में 26 अप्रैल 2023 को अपलोड किया गया हैं। इससे पूर्व खाली कार्टून एवं खाली शीशी कॉच का में 07 निविदाकारो ने निविदा डाली थी। जिसमें खाली कार्टून का निविदा दर 35 रूपये तक डाला गया था। दिनांक 04 मई की निविदा में मात्र 03 निविदाकारो ने निविदा में हिस्सा लिया। जिसमें खाली कार्टून की निविदा दर 7.00 रूपये डाली गई थी। निविदाकर्त्ता सत्यम राजपूत मॉ दुर्गा ट्रेडर्स को 7.00 रूपये प्रति किलो के उच्चतम दर पर चयन समिति के द्वारा निविदा प्रदाय कर दी गई हैं।

गौरतलब करने वाली बात यह है कि इससे पूर्व जो निविदा चयन समिति ने नियमों का हवाला देकर निरस्त कर दिया था। उस वक्त खाली कार्टून की निविदा दर 35.00 रूपये प्रति किलो पर निविदाकर्त्ता ने निविदा दर डाली थी। अभी वर्तमान में निविदाकर्त्ता ने मात्र 7.00 रूपये में निविदा दर पर निविदा प्राप्त कर लिया हैं। विभाग को 28.00 रूपये राजस्व की हानि हुई हैं यह अबकारी विभाग से बडा सवाल हैं। पूर्व में निविदाकर्त्ता द्वारा 35.00 रूपये उसके पश्चात 7.00 रूपये यह बात कुछ हजम नही हो रही है, दाल में कुछ तो काला हैं।

आपको बताना लाजमी है कि चयन समिति में अपर कलेक्टर, महा प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र दन्तेवाड़ा, जिला कोषालय अधिकारी,जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक के सामने निविदा खोली गई जिसमें 28.00 रूपये का अन्तर आया और निविदा निविदाकर्त्ता को प्रदाय कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

सिहावा क्षेत्र के अंतिम छोर में पहुंचे बस्तर महाराज

नगरी। भाजपा के सिहावा विधानसभा प्रभारी बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन क्षेत्र के अंतिम छोर में बसे ग्राम बोरई घुटकेल पहुँचे, जहाँ उन्होंने माँ दंतेश्वरी की पूजा अर्चना की और उनका ग्रामवासियों ने बाजा गाजा राउत नाचा एवं देव मोहरी के ध्वनि के साथ भव्य स्वागत किया। जिसके पश्चात नव निर्मित राधा कृष्ण मंदिर में भी बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव ने पूजा की। बता दें की घुटकेल बोरई क्षेत्र के देवी देवता हर वर्ष बस्तर के प्रसिद्ध 75 दिवसीय दशहरा में सम्मेलित होने जाते हैं। बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव ने इस अवसर पर आराध्य देवी देवताओं की आराधना करने को कहा तथा सभी से आगामी दशहरा जो की 600 वां वर्ष होगा उसका निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव के साथ पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम, जिला महामंत्री प्रकाश बैस, जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, मंडल अध्यक्ष अकबर कश्यप, विधानसभा मीडिया प्रभारी रामगोपाल साहू, मंडल महामंत्री मनोहर मनिकपुरी, सुलोचना साहू, दिनेश्वरी नेताम, हेमलता साहू, हुमित लिमजा, करन सेन, चित्रांश नागवंशी, संतोष साहू, पदुम निर्मलकर, शत्रुघन नागवंशी, छोटेलाल सलाम, जागेश्वर ध्रुव, किरण मरकाम, गायत्री ठाकुर, अमरोतीन नागवंशी, पुष्पा नेताम, तुलसी यादव, मिश्री ध्रुव, दुर्योधन नेताम, सीता साहू, बीजू समरथ सहिंत ग्रामवासी पुजारी गायता सिरहा आदि उपस्थित रहे।

जिले में 603 सहायक शिक्षकों की होगी भर्ती

कांकेर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा कांकेर जिले में 603 सहायक शिक्षकों की भर्ती की जाएगी, जिसके लिए पात्रता रखने वाले अभ्यर्थी 23 मई तक ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। संभावित परीक्षा की तिथि 10 जून 2023 निर्धारित की गई है, शिक्षक भर्ती परीक्षा जिले के आवेदकों के लिए कांकेर में ही परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। सहायक शिक्षक पद हेतु अनारक्षित मुक्त के लिए 109, महिला 147, अनुसूचित जाति के लिए मुक्त 17 महिलाओं के लिए 07, अनुसूचित जनजाति के लिए मुक्त 238 महिलाओं के लिए 101 और अन्य पिछड़ा वर्ग मुक्त के लिए 59 तथा महिलाओं के लिए 25 पद सहायक शिक्षक की भर्ती की जाएगी, जिसमें से दिव्यांगों के लिए 45 पद आरक्षित किया गया है। शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी में 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण, डीएलएड या बीएड उत्तीर्ण और टीईटी या सीटेट उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। अधिक जानकारी के लिए व्यापम की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

कुआं में डूबने से मृत्यु के प्रकरण में आर्थिक सहायता स्वीकृत

कांकेर। राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6-4 में दिए गए प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा नरहरपुर तहसील के ग्राम चनार निवासी 65 वर्षीय राधाबाई यादव की कुएं में डूबने से मृत्यु होने प्रकरण में उनके परिजन नारायण यादव के लिए चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत किया गया है। स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान नरहरपुर तहसीलदार द्वारा हितग्राही के बैंक खाते में डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर के माध्यम से किया जाएगा।

अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला

धमतरी। जिले अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम लीलर में एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला है। शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा है। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को ग्रामीणों ने गांव में जंगल के पास खेत में एक व्यक्ति का शव देखा, जिसके बाद इसकी सुचना तत्काल पुलिस को दी गई। सुचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार देखने से शव तीन चार दिन पुराना लग रहा है, जिसकी उम्र करीब 40 साल के आसपास है। पुलिस ने बताया शव को जंगली जानवरो ने नोंच कर खाया है और फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मृतक की मौत कैसे हुई इसका पता पोस्टमार्टम रिर्पोट आने के बाद पता चलेगा। वहीं पुलिस मृतक की पहचान की कोशिश में लगी है।

कलेटर ने किया उल्लास समर कैप का अवलोकन

सुकमा। कलेक्टर हरिस एस. ने छिन्दगढ़ में चल रहे उल्लास समर कैम्प का अवलोकन किया। उन्होंने कैंप में संचालित 13 विधाओं से सबंधित गतिविधियों का अवलोकन करते हुए सभी कक्षों में बच्चों से मिलकर सीख रहे विधाओं के संबंध चर्चा की और बच्चो के अनुभव को जाना। इस दौरान बच्चों ने बड़े उत्साह से समर कैम्प में भाग लेने पर खुशी जाहिर किया। कलेक्टर हरिस ने इसके साथ ही उन्होंने समर कैम्प में विभिन्न विधाओं के मास्टर ट्रेनर्सों के साथ ही बच्चों के प्रशिक्षण, भोजन एवं आवास संबंधी सुविधाओं, दैनिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने समर कैम्प को बच्चों के लिए रोकच और आनंदायक बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकार नितिन डंडसेना, तहसीलदार छिंदगढ़ महेन्द्र लहरे, सहायक जिला नोडल अधिकारी समर कैंप आशीष राम एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सिविल सेवा परीक्षा हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

बिलासपुर। संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा सिविल सेवायें (प्रारंभिक) परीक्षा 2023 का आयोजन 28 मई 2023 को दो सत्रों में सवेरे 9.30 बजे से 11.30 बजे तक एवं दोपहर 2.30 बजे से 4.30 तक किया जाएगा। इस परीक्षा के आयोजन के लिए बिलासपुर केंद्र में 22 शैक्षणिक संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिले में परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन के लिए जिला कार्यालय के प्रोटोकॉल शाखा, कक्ष क्र 25 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07752-223643 है। सहायक अधीक्षक भू अभिलेख श्री बैजुलाल कवर को कंट्रोल रूम का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अंत्योदय स्वरोजगार एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

बिलासपुर। जिले के अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोग अंत्योदय स्वरोजगार योजना एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन कर सकते है। इसके लिए जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा आवेदन आमंत्रित किये गये है।आवेदन करने के लिए आवेदक को जिले का निवासी, अनसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग, आयु 18 से 50 के मध्य, आवेदक के परिवार की वार्षिक आमदनी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 1 लाख 50 हजार से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन पत्र के साथ आय, जाति, निवास, आधार, राशन कार्ड, पूर्व में किसी शासकीय योजना में ऋण अनुदान प्राप्त न किया हो तथा ऋण बकाया न होने संबंधी शपथ पत्र, पासपोर्ट साईज के दो फेटोग्राफ्स प्रस्तुत करने होंगे। इच्छुक आवेदक पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग कक्ष क्रमांक 17 के जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति एवं संबंधित जनपद पंचायत से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते है। आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में जमा किये जा सकते है। आवेदन की फेटोकॉपी, आवेदन में कांट-छांट, ओव्हरराईटिंग इत्यादि स्वीकार नहीं किये जाएंगे। यह योजना बैंक प्रवर्तित योजना है। योजनान्तर्गत संबंधित का ऋण प्रकरण संबंधित सेवा क्षेत्र की बैंक शाखा को प्रेषित किये जाएंगे।

रबी वर्ष की समीक्षा एवं खरीफवर्ष कार्यक्रम निर्धारण हेतु संभागीय समीक्षा बैठक 16 मई को

बिलासपुर। रबी वर्ष 2022-23 की प्रगति की समीक्षा तथा खरीफ वर्ष 2023 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में बिलासपुर एवं सरगुजा संभाग की संभागीय बैठक 16 मई को सवेरे 10 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में बिलासपुर एवं सरगुजा संभाग के संभागायुक्त, पंजीयक सहकारी संस्थाएं छ.ग., संचालक कृषि, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, पशुपालन, मछलीपालन, प्रबंधक संचालक, बीज निगम, मार्कफेड, बीज प्रमाणीकरण संस्था, अपेक्स बैंक, जल संसाधन विभाग सहित इंश्योरेंस कंपनियों के प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के राज्य स्तरीय अधिकारीगण शामिल होंगे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में होगी भरती, आवेदन 25 मई तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना मस्तूरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र भड़हा, गोबरी, मानिकचौरी, डगनिया, बिनैका, थेम्हापार, पाराघाट में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये है। आवेदन पत्र 10 मई से 25 मई 2023 तक एकीकृत विकास परियोजना मस्तूरी में कार्यालयीन समय में जमा किये जा सकते है।

भुमिका साहू ने किया स्वामी आत्मानंद स्कूल में टाप

लखनपुर बजार पारा निवासी भुमिका साहू ने लखनपुर के स्वामी आत्मानंद स्कूल में 86त्न लाकर अपने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भुमिका साहू ने कक्षा दसवीं में भी 98त्न लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया था । भुमिका साहू श्री सुरेन्द्र साहू की पुत्री है। भुमिका साहू आगे सीए की पढ़ाई करना चाहती है। भुमिका साहू कि पढ़ाई सरस्वती शिशु मंदिर,अचिवर पब्लिक स्कूल लखनपुर से कि थी। भुमिका साहू ने अपने सफलता का श्रेय अपने स्कूल के सभी शिक्षकों और माता पिता को दिया है। भुमिका साहू द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अनेक लोगों ने बधाई दिया है । उल्लेखनीय है कि भुमिका साहू सुरू से ही सभी क्लास में प्रथम स्थान प्राप्त की है। भुमिका साहू द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रथम आने पर इस पास के लोगों में हर्ष व्याप्त है।

कल्चर एण्ड क्रिएटिविटी फोरम' के द्वारा कहानी लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया

अंबिकापुर/ संवाददाता

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर के 'कॉलेज कल्चर एण्ड क्रिएटिविटी फोरम' के द्वारा दिनांक 08,09,10 मई 2023 को कहानी लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के पहले दिन मुख्य अतिथि के रुप में वरिष्ठ कथाकार और आकाशवाणी के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी श्री तपन बनर्जी तथा विषय विषेषज्ञ के रुप में कवि व कहानीकार डॉ. विश्वासी एक्का एवं वरिष्ठ कहानीकार व अनुवादक श्री प्रभुनारायण वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्ला द्वारा की गई। पहले दिन दोनों विषय विषेषज्ञों तथा मुख्य अतिथि ने अपने-अपने तरीके से कहानी लेखन की रचना प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. विश्वासी एक्का ने अपनी प्रथम कहानी को साझा करते हुए कहा कि क्योंकि मैं अपने आस-पास के जीवन को देख समझ रही थी इसलिए जब मुझे यह चुनौती मिली तो उसका निर्वहन मैं बेहतर ढंग से कर पाई। श्री प्रभुनारायण वर्मा ने कहा कि हम अपने आस-पास बिखरे विविध दृश्यों को देखते रहते हैं, जब उन्हीं को अभिव्यक्ति प्रदान कर देते हैं तो वह किसी न किसी कला का रुप ले लेती है। श्री तपन बनर्जी ने कहा कि कहानी के लिए विषय बहुत महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि हमें एक दृष्टि या आँख चाहिए होती है, जिससे हम अपने आस-पास के दृश्यों को महसूस कर सकें। कहानी के शीर्षक पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शीर्षक एक झरोखे की तरह होना चाहिए, जिसमें कहानी में बारे में अनुमान तो लगाया जा सके किन्तु पूरा पता न मिले, जिससे पढ़ने की उत्सुकता बनी रहे। प्रो. रिजवान उल्ला ने कहा कि यह कार्यशाला निश्चित रुप से हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को उभारने में सक्षम होगी। आगे भी इस फोरम के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

प्रथम दिवस के अंत में सभी प्रतिभगियों को कहानी लिखकर ले आने के लिए कहा गया था। जिसके परिणामस्वरुप कार्यशाला के दूसरे दिन आराधना, शिल्पी, विनय, प्रतिभा सिंह, रेखा, निर्मल, तरुण, अभिनव, संजना, तथा पंकज समेत 10 विद्यार्थी कहानी लिखकर लाए थे। डॉ. विश्वासी एक्का ने इन सभी कहानियों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। श्री राजेश मिश्र जी ने कहानी की रचना प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कहानी लिखने के लिए दृश्य महत्वपूर्ण होता है, लोक और स्मृति के साथ दृश्य को रखकर कहानी लिखी जा सकती है। श्री प्रभुनारायण वर्मा ने कम से कम और राष्ट्रद्रोह नामक दो छोटी कहानियों का पाठ किया जिसका हिन्दी में अनुवाद उन्होंने स्वयं किया है। इन कहानियों के माध्यम से उन्होंने बताया कि कैसे हम प्रतीकात्मक तरीके से बहुत सुन्दर कहानियां लिख सकते हैं। ।

कार्यशाला के दूसरे दिन विद्याार्थियों ने बहुत सारे सवाल जवाब किए तथा कार्यकशाला के संबंध में अपने अनुभव भी साझा किए। विद्यार्थियों को अगले दिन पुन: कहानी लिखकर लाने का कार्यभार दिया गया।

कार्यशाला के तीसरे और अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरुआत में फोरम की संयोजक डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री ने पिछले दो दिनों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यशाला में प्रतिभागी स्वरचित कहानियों के साथ उपस्थित हुए। इन कहानियों पर वरिष्ठ कथाकार प्रभुनारायण वर्मा ने नवोदित लेखकों का मार्गदर्शन किया। डॉ. विश्वासी एक्का ने अपनी पहली कहानी 'कजरी' का पाठ कर नए लेखकों की हौसला अफ्जाई की। इस कार्यशाला के दौरान कुल 16 कहानियां लिखी गईं जिसने आयोजकों व शहर के वरिष्ठ कहानीकारों को सुखद आश्चर्य से भर दिया। आई.क्यू.ए.सी. के समन्वयक डॉ. आर.पी. सिंह ने कार्यशाला की तारीफ करते हुए कहा कि रचना के लिए जीवन को पढ़ना जरुरी है। भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. अनिल सिन्हा ने साहित्य के प्रति अपने प्रेम का जिक्र करते हुए कहा कि प्रेमचन्द और रेणु उन्हें सर्वाधिक प्रिय हैं।

एक करोड़ की हेराफेरी: बोगस बिल के जरिए सरकारी कोष को किया साफ.....

■ इस सिलसिले में पहले ही ऋषि जायसवाल, विक्की यादव और गोपाल सिंह नेटी को निलंबित किया जा चुका है

कोरबा। हरदीबाजार स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य और एक व्याख्याता 1.4 करोड़ रुपयों की हेराफेरी के मामले में कार्रवाई की जद में आ गए हैं। इनके अलावा 12 कर्मियों के विरूद्ध पुलिस ने 420 आईपीसी का मामला दर्ज किया है। हरदीबाजार सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य व्यास नारायण दिवाकर और व्याख्याता सोमनाथ भारद्वाज को इस प्रकरण में सरकार के लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा निलंबित कर दिया गया है। पाली स्थित विकासखंड कार्यालय में दोनों को अगले आदेश तक के लिए संलग्न किया गया है। खबर के मुताबिक विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा की गई शिकायत के बाद इस मामले में कार्रवाई की गई। काफी समय से इसकी चर्चाएं थी और मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। डीपीआई के संचालक सुनील जैन ने अपने निलंबन आदेश में कहा है कि व्यास नारायण दिवाकर ने संस्था के सहायक ग्रेड.3 ऋषि जायसवाल, प्रमोद पाटले शिक्षक एलबी के साथ मिलकर सेवानिवृत्त व मृत कर्मचारियों के नाम से फर्जी बिल तैयार किये और प्राचार्य की सील.मुहर बनाकर एक करोड़ 4 लाख 46 हजार 400 रुपए का आहरण कर लिया। प्राचार्य दिवाकर ने लगातार नियम विरूद्ध आहरण में मातहत का सहयोग किया। इसलिए पूरा मामला लापरवाही से जुड़ा हुआ है। इस सिलसिले में पहले ही ऋषि जायसवाल, विक्की यादव और गोपाल सिंह नेटी को निलंबित किया जा चुका है। जानकारी के मुताबिक हायर सेकेंडरी स्कूल हरदीबाजार में आर्थिक मामलों से संबंधित धन राशि सरकारी कोष में जमा थी और वहां से ही इसका लेनदेन होता था। मामले में लंबी अवधि में एक करोड़ से ज्यादा राशि का आहरण बोगस तरीके से संस्था के लोगों ने कटघोरा स्थित उप कोषालय से किया।

सरगुजा संभाग के 6 जिलों 14 विधानसभा के 20 23 निर्वाचन हेतु बेसलाइन सर्वेक्षण प्रारंभ

अंबिकापुर/भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए सरगुजा संभाग के 6 जिलों के सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों में बेसलाइन सर्वेक्षण 2023 का कार्य प्रारंभ हो रहा है। सरगुजा संभाग के सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों के ग्रामीण एवं शहरी तथा अर्ध शहरी क्षेत्रों में बेसलाइन सर्वेक्षण कार्य संपादन हेतु प्राचार्य राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर को नोडल केंद्र अधिकारी बनाया गया है। सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों एवं विधानसभा क्षेत्रों में स्थित महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को इस कार्य संपादन के लिए नियुक्त किया गया है । बेसलाइन सर्वे 2023 को संपादित करने के लिए विधितंत्र पर आधारित विभिन्न प्रश्नावली खंडों को समझने के लिए आज संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। संभाग स्तरीय इस प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य अन्वेषक डॉ अनिल सिन्हा, सह:अन्वेषक डॉक्टर उमेश पांडे ,प्रोफेसर विनीत गुप्ता एवं प्रोफेसर चेतन कुमार ने प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ रमेश जायसवाल ने जिला समन्वयक एवं सर्वेक्षण कर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेसलाइन सर्वेक्षण किसी भी चुनाव के पूर्व इसलिए किया जाता है ताकि पूर्व में सम्पन्न चुनाव की कमियों को सीधे वोटर से पूछ करके जानकारी प्राप्त की जाती है । डॉ अनिल सिन्हा ने कहा की मतदाताओं के ज्ञान प्रवृत्ति एवं व्यवहार के विश्लेषण पर आधारित बेसलाइन सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के उपरांत एक शोध परक प्रतिवेदन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ को प्रस्तुत किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रेषित 18 पृष्ठीय प्रश्नावली को बेहद सूझबूझ के साथ प्रत्येक विधानसभा से विभिन्न संवर्गों के 40 उत्तरदाताओं का चयन करते हुए प्रश्नावली भरे जाएंगे।

इस अवसर पर सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के जिला समन्वयक प्रोफेसर एमसी हिमधर, प्रोफेसर सीबी मिश्रा प्रोफेसर एनके देवांगन ,डॉक्टर एसएन पांडे एवं डॉ अमरेंद्र सिंह के साथ-साथ सभी विधानसभाओं के सर्वेक्षणकर्ता प्राध्यापक उपस्थित रहें।

मण्डल के 14 स्टेशनों पर एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल स्थापित-वोकल फॉर लोकल को मिल रहा है बढ़ावा.....

■ मिलेट उत्पादों की बिक्री को किया जा रहा है प्रोत्साहित

■ लोगों को पोषण आहार खरीदी की भी मिलेगी सुविधा

बिलासपुर/ संवाददाता

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में एक स्टेशन एक उत्पाद योजना का विस्तार करते हुए रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान द्वारा डिजाइन किए गए स्टॉल स्थापित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मण्डल के 14 स्टेशनों (बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़, चाम्पा, जांजगीर-नैला, सक्ती, अकलतरा, कोरबा, अनूपपुर, पेंड्रारोड़, विश्रामपुर, शहडोल, कोतमा एवं अम्बिकापुर) पर एक स्टेशन एक उत्पाद का एनआईडी डिजाइन के अनुरूप स्टॉल स्थापित किये गए हैं । इनमें से 08 स्टेशनों पर स्टॉल संचालित है, जबकि अन्य स्टेशनों के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। इसके साथ ही मंडल के विभिन्न स्टेशनों में 16 नये स्टॉल स्थापित किये जा रहे हैं उल्लेखनीय है कि समाज के लिए एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्थानीय कारीगरों और कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए यह योजना शुरू की गई है। केंद्रीय बजट 2022-23 में घोषित इस योजना का उद्देश्य भारत सरकार के लोकल विजन के लिए वोकल को बढ़ावा देना, स्थानीय उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना, रेल यात्रियों को भारत की समृद्ध विरासत और स्थानीय उत्पादों का अनुभव करने का अवसर प्रदान करना, समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर सृजित करना, स्वदेशी/स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन, बिक्री और उच्च दृश्यता देना है। इस योजना के तहत लोगों को स्वास्थ्यवर्धक, पोषण आहार उपलब्ध कराने तथा घरेलू व वैश्विक मांग पैदा करने के उद्देश्य से मिलेट उत्पादों की बिक्री को विशेष रूप से शामिल किया गया है मिलेट में ज्वार, बाजरा, रागी, कुटकी, कोदो और जौ जैसे पोषक उत्पाद आते हैं मिलेट हमारी बदलते जीवनशैली में अव्यस्थित खान-पान और रहन-सहन से उत्पन्न कई रोगों से निजात पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. हृदय रोग, कैंसर, गठिया रोग, सूजन का खतरा कम करते हैं और शरीर की इम्यूनिटी को बेहतर बनाते हैं इसमें प्रोटीन, वसा, लौह, रेशा, कैल्शियम और जिंक की भी भरपूर मात्रा होती है इच्छुक व्यक्ति अथवा उत्पादक जो इस योजना।

विजय इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रिया रोहरा ने मनेन्द्रगढ़ का नाम किया रोशन

■ क्षेत्रीय विधायक ने दी बधाई और शुभ कामनाए

■ कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रदेश में प्राप्त किया 6वॉ स्थान

एमसीबी/ मनेन्द्रगढ़ । नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय विजय इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल मे कक्षा 12वीं वाणिज्य संकाय मे अध्ययनरत छात्रा प्रिया रोहरा ने छत्तीसगढ़ शिक्षा मण्डल की कक्षा 12वीं 2023 की मुख्य परीक्षा में 96.20 प्रतिशत अंक के साथ राज्य में 6 वॉ स्थान प्राप्त किया है। जिसकी खुशी को बांटते हुए मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ.विनय जायसवाल ने दूर भाष के माध्यम से उत्तीर्ण छात्रा के साथ माता पिता को बधाई और शुभ कामनाए प्रेषित की है तथा पूरे परिवार को हर संभव मदद का भरोषा जताया है एवं उज्वल भविष्य की कामना की है । जानकारी अनुसार नव गठित जिले एमसीबी के जिला मुख्यालय में संचालित विजय इंग्लिश मीडियम की छात्रा प्रिया रोहरा पिता चन्द्र कुमार रोहरा निवासी नगर पालिका मनेंद्रगढ़ ने इस वर्ष के छत्तीसगढ़ शिक्षा मण्डल की कक्षा बारहवीं मे 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य में छठवॉ स्थान प्राप्त कर मनेन्द्रगढ़ नगर व विद्यालय का नाम रोशन किया है ।उल्लेखनीय है कि छात्रा प्रारम्भ से ही इस विद्यालय में अध्ययनरत रही और प्रारंभ से ही मेधावी छात्रा रही है । छात्रा प्रिया रोहरा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती इन्द्रा सेंगर और शिक्षकों के साथ अपने माता-पिता को दिया है ।छात्रा ने बताया कि उसने एक लक्ष्य निर्धारित कर परीक्षा की तैयारी की थी जिसका परिणाम यह उपलब्धि है । छात्रा की माता श्रीमती माला रोहरा इसी विद्यालय मे शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं तो पिता की रिपेयरिंग की दुकान है । छात्रा प्रिया रोहरा की माता ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के लिए प्रिया की तैयारी और मेहनत को देखकर हमें उम्मीद थी कि कुछ अच्छा ही होगा किन्तु इस प्रकार से सपना सच होना नि:सन्देह बहुत ही भाव विभोर करने वाला पल है । प्रिया रोहरा के माता-पिता ने भी अपनी बच्ची की इस सफलता का श्रेय विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती इन्द्रा सेंगर, सचिव संजय सेंगर के साथ विद्यालय के शिक्षकों को देते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रिया रोहरा की सफलता में बहुत बड़ा योगदान इन सभी का है ।प्रिया रोहरा की इस उपलब्धि पर पूरा विद्यालय परिवार हर्षित और गौरवान्वित है । संस्था प्रमुख श्रीमती इन्द्रा सेंगर व सचिव संजय सेंगर ने प्रिया रोहरा की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामानाए दी है ।

आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश कमेटी के आह्वान पर प्रदेश भर में पेयजल की गंभीर समस्या को लेकर सभी जिला मुख्यालयों.....

राजपुर बलरामपुर जिला मे आदमी पार्टी के द्वारा आज दिनाँक 09/05/2023 को मटका फोड़ आंदोलन किया गया। इसी तारतम्य में आज आम आदमी पार्टी जिला कमेटी बलरामपुर-रामानुजगंज के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा साथ में पेयजल की समस्या से जूझ रहे दूर दराज से आए महिलाओं ने अपने सिर पर मटका लेकर पार्टी जिला कार्यालय से कलेक्टर कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए राज्य सरकार के प्रति अपना विरोध प्रदर्शन किया तथा सरकार के विरुद्ध नारेबाजी कर विरोध में कलेक्टर कार्यालय के गेट पर मटका फोड़ा गया। कार्यकर्ताओं के द्वारा पेयजल की समस्या से आम जनता को तत्काल निजात दिलाने हेतु शासन के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। आज के इस मटका फोड़ आंदोलन को सफल बनाने के लिए आम आदमी पार्टी के स्ज्ञ विंग प्रदेश अध्यक्ष बसंत कुजूर, बलरामपुर जिला सचिव नीलम ठाकुर, स्ज्ञ विंग जिला अध्यक्ष शंकर भगत, स्ज्ञ विंग जिला सचिव सुग्रीव राम, जिला कार्यालय प्रभारी महेश्वर सिंह, डवरा-कोचली ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रशेखर पोर्ते, डिंडो-सनावल ब्लॉक अध्यक्ष अमलाई नायक, रामचंद्रपूर ब्लॉक अध्यक्ष इब्राहिम सिद्धकी, रामानुजगंज ब्लॉक अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ पूर्व पदाधिकारीगण, वरिष्ठ कार्यकर्तागण सहित कई लोग सम्मिलित। सामरी (कुसमी) मे भी देखने को मिला आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पानी की समस्या को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन के तहत कुसमी में प्रदर्शन किया गया। कुसमी में कल आम आदमी पार्टी का पानी की समस्या को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन के तहत कुसमी अनुभाग में प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ आम आदमी पार्टी के स्ज्ञ विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री संतोष राम तिग्गा, ब्लॉक कमेटी के अध्यक्ष श्री

रूबेन लकड़ा, शकील अंसारी, मॉनिटर खलखो, शामिल रहे एवं प्रदर्शन शिव चौक से लेकर एसडीएम कार्यालय तक किया गया। इस प्रदर्शन करने के नेतृत्व में संतोष राम तिग्गा रूबेन लकड़ा शकील अंसारी मॉनिटर खलखो अर्जुन यादव ननकू राम यादव वीरेंद्र बुनकर व अन्य साथी सम्मिलित थे इस प्रदर्शन में पानी दो या जल दो वरना गद्दी छोड़ दो साफपानी दे ना सके वह सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है का नारे लग रहे थे प्रदर्शन करते समय सभी घड़ा लेकर चल रहे थे प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया प्रदर्शन में सलीम खान कामेश्वर रवि लुकमान अंसारी पूस नाथ नागेशिया संतोष राम तिग्गा ननकू राम यादव राजू नगेसिया बंधन सिया रामचंद्र नगेसिया भुनेश्वर राम किशोर कुजूर अर्जुन रामनाथ चंद्र कुजुर वीरेंद्र बुनकर अरमान खान व अन्य साथी उपस्थित थे। शंकरगढ़ ब्लाक में भी कार्यक्रम पेयजल की समस्या को लेकर यूथ विंग के जिला अध्यक्ष कुंवर विजय सिंह के नेतृत्व में एवं ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद यादव के द्वारा किया गया था। इस ब्लॉक में भी भारी संख्या में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ इस धरना प्रदर्शन को सफल पूर्वक किया गया। इस प्रदर्शन में रहे शामिल उनका नाम राजेंद्र क्रिकेट, देवव्रत यादव, और भी भारी संख्या में उपस्थित रहे

संपादकीय

खत्म हुई अनिश्चितता

महाराष्ट्र में पिछली साल हुए राजनीतिक उलट फेर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि वो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली स्ट्रक्चर सरकार को बहाल नहीं कर सकती, क्योंकि उन्होंने बिना फ्लोर टेस्ट दिए ही इस्तीफा दे दिया। शिवसेना में पिछले साल हुई फूट और उसके बाद राज्य में बनी नई सरकार को लेकर गुरुवार को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जिन लोगों ने किसी बड़े राजनीतिक उलटफेर की उम्मीद लगा रखी थी, उन्हें जरूर थोड़ी निराशा हुई होगी, लेकिन संवैधानिक सिद्धांतों को मजबूती देने के लिहाज से यह बेहद महत्वपूर्ण फैसला है। सीजेआई की अगुआई वाली संविधान पीठ ने पिछली उद्धव ठाकरे सरकार की बहाली का आदेश भले ही न दिया हो, लेकिन यह स्पष्ट करने में कोई कमी नहीं छोड़ी कि विधानसभा में बहुमत परीक्षण कराने का तत्कालीन राज्यपाल का फैसला गलत था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि 'न तो संविधान और न ही कानून राज्यपाल को यह शक्ति देता है कि वह विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच या किसी खास दल के अंदर उभरे विवादों को निपटाने में कोई भूमिका निभाए।' कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्यपाल ने जितने भी इनपुट पर भरोसा किया, उनमें से कोई भी यह नहीं बताता कि असंतुष्ट विधायक सरकार से समर्थन वापस लेना चाहते थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगर वह पिछली सरकार को बहाल करने का आदेश नहीं दे पा रहा तो सिर्फ इसलिए क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विश्वास मत का सामना करने से पहले ही खुद इस्तीफा दे दिया था।दूसरी महत्वपूर्ण बात यह कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में शिंदे गुट समर्थित एक विधायक को शिवसेना का विप नियुक्त करने के फैसले को भी गैरकानूनी करार दिया। इस मामले में कोर्ट का यह स्पष्टीकरण आगे भी पीठासीन अधिकारियों का मार्गदर्शन करेगा कि विप की नियुक्ति विधायक दल के नहीं, पार्टी के अधिकार क्षेत्र की बात है। अपने दायरे का पूरा सम्मान करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने विधायकों की पात्रता का फैसला स्पीकर पर छोड़ दिया। जाहिर है, इसके बाद मौजूदा शिंदे सरकार के अस्तित्व पर मंडरा रहे जिस संकट की पिछले कई दिनों से महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में चर्चा थी, वह टल गया है। एक लिहाज से यह विपक्षी महाविकास गठबंधन के लिए भी राहत की बात है। जिस कथित संकट के कारण एनसीपी में फूट की आशंका जताई जा रही थी, वह संकट नहीं रहा तो अब सरकार बचाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की जरूरत भी नहीं रही। इस पूरे प्रकरण में यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि भले कोर्ट ने अपने फैसले में यह बात कही नहीं हो, लेकिन जब गवर्नर का फ्लोर टेस्ट कराने का फैसला अवैध साबित हो गया तो उसकी वजह से बनी सरकार की वैधता कैसे बरकरार मानी जा सकती है। उद्धव ठाकरे ने नैतिक आधार पर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग कर यही संकेत दिया है कि वह इस आधार पर मौजूदा सरकार को घेरते रहेंगे। लेकिन बीजेपी और शिंदे गुट की मुख्य चिंता उनकी यह मांग नहीं बल्कि 2024 के चुनावों में विपक्षी गठबंधन की ओर से मिलने वाली चुनौती होगी।

वैश्विक इतिहास में अनूठी है हमारी तकनीकी तरक्की

(प्रांजल शर्मा, डिजिटल नीति विशेषज्ञ)

आज भारतीय वैज्ञानिकों-इंजीनियरों की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों को याद करने का दिन है। बेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुरुआत 1998 के पोखरण परीक्षण की सफलता पर वैज्ञानिकों का आभार जताने के लिए हुई है, मगर यह एक ऐसा मौका है, जब हम आंकते हैं कि प्रौद्योगिकी की दुनिया में हमने कितने कदम नापे हैं। आज भारत उभरती प्रौद्योगिकियों के निर्माण और उसके इस्तेमाल के मामले में दुनिया के कई देशों से आगे है। कई पारंपरिक चुनौतियों से उबरकर हमने चौथी औद्योगिक क्रांति को संभव बनाया है, जिसमें सरकार और उद्यमशील निजी क्षेत्र ने मिलकर उत्पादों व सेवाओं की आपूर्ति समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के प्रयास किए हैं। आधुनिक प्रौद्योगिकियों का यूं इस्तेमाल वैश्विक लोकतंत्र के इतिहास में कहीं नहीं हुआ है।

कई आंकड़े इसकी तस्दीक भी करते हैं। मसलन, फूड डिलीवरी एप से रोजाना 20 लाख से अधिक ऑर्डर आने लगे हैं। डिजिटल भुगतान का ढांचा 'यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) से गुजरे मार्च महीने में ही 8.7 अरब रुपये से अधिक के लेन-देन हुए हैं। यह उन लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, जो औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा नहीं रहे हैं। यह स्थिति तब है, जब आधुनिक भारत का तकनीक-निर्माण में रिकॉर्ड बहुत बेहतर नहीं रहा है। शुरुआती वर्षों में तो सूचना-प्रौद्योगिकी में विकास करने के बावजूद तकनीक-निर्माता का दर्जा हम हासिल नहीं कर पाए थे। मगर अब ज्ञान व अनुसंधान का इस कदर समावेशन हुआ है कि नवाचार और प्रौद्योगिकी का हम जमकर लाभ उठाने लगे हैं। चौथी औद्योगिक क्रांति ने असल में प्रौद्योगिकियों की पहुंच को काफी व्यापक बना दिया है। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमेशन, यानी स्वचालन जैसे क्षेत्रों में खूब काम हुआ है, जिससे उत्पादों व सेवाओं को तेजी से सुधारने में मदद मिली है। भारत में प्रौद्योगिकी पेटेंट में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। नैसकॉम का कहना है कि भारतीय कंपनियों ने 2015 से 2021 के दरम्यान भारत में 1.38 लाख तकनीकी पेटेंट और अमेरिका में 9.5 हजार पेटेंट दाखिल किए। इनमें से 60 फीसदी से अधिक पेटेंट भारतीय कंपनियों और स्टार्ट-अप द्वारा दायर किए गए थे, जबकि 17 फीसदी पेटेंट व्यक्तिगत आविष्कारक अथवा अकादमिक अनुसंधान संगठनों द्वारा। वित्त, स्वास्थ्य व रसद-आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में इस पेटेंट की प्रौद्योगिकियां इस्तेमाल हो रही हैं। कई रिपोर्ट बताती हैं कि 6जी तकनीक के लिए भी 100 से अधिक पेटेंट हासिल किए जा चुके हैं।

विश्व आर्थिक मंच की सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रीयल रिवॉल्यूशन की रिपोर्ट बताती है कि कृषि में ड्रोन के इस्तेमाल से जीडीपी में 100 अरब डॉलर का इजाफा हो सकता है और लाखों लोगों की आजीविका बेहतर बनाई जा सकती है। आज भारत सरकार न सिर्फ खेती-किसानी में, बल्कि कई अन्य क्षेत्रों में भी ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है। केरल में कीटनाशक छिड़काव के लिए चलाए गए पायलट प्रोजेक्ट का बढ़िया नतीजा निकला है। इसी तरह, मेटावर्स में, यानी यथार्थ दुनिया का आभास कराने वाले डिजिटल अनुभव से जुड़ी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाकर टेक महिंद्रा और इंफोसिस जैसी कंपनियों ने तमाम कारोबारियों को राहत पहुंचाई है।

यह सही है कि आज 'फेस रिकग्निशन' (चेहरा पहचानने की तकनीक) से लेकर डीजी लॉकर तक तमाम तरह की प्रौद्योगिकियों से हमारा जीवन सुगम हुआ है, लेकिन कई चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। साइबर सुरक्षा एक बड़ा मसला है, जिस पर अनवरत काम करने की जरूरत है। फेस रिकग्निशन से बुजुर्ग पेंशनधारकों को काफी मदद मिली है, लेकिन एआई की मदद से उनको गुमराह किए जाने का खतरा भी बना हुआ है। दरअसल, हर साल जो करोड़ों लोग तकनीक की दुनिया में दाखिल हो रहे हैं, उनको लेकर आशंकाएं काफी ज्यादा हैं। पर्याप्त जानकारी के अभाव में उनकी गोपनीयता भंग हो सकती है, साथ ही उनकी निजी जानकारियों से खिलवाड़ हो सकता है। उनके फर्जी सूचनाओं के जाल में फंसने की आशंका अधिक होती है। ऐसे में, डिजिटल शिक्षा पर कहीं ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है, तभी उनकी मानसिक, शारीरिक और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

प्रगतिशील लोकतंत्र के लिए 'एक देश एक चुनाव' की व्यवस्था होना बहुत जरूरी है

(प्रो. संजय द्विवेदी)

सिर्फ खर्च ही नहीं, बल्कि अन्य कई दृष्टि से भी 'एक देश एक चुनाव' का विचार काफी फायदेमंद है। इसमें प्रशासनिक तंत्र और सुरक्षा बलों पर बार-बार पड़ने वाला बोझ कम होगा, जिससे वे चुनावी गतिविधियों से बचा समय दूसरे उपयोगी कामों को दे सकते हैं।

एक स्वस्थ, टिकाऊ और विकसित लोकतंत्र वही होता है, जिसमें विविधता के लिए भरपूर जगह होती है, लेकिन विरोधाभास नहीं होते। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भविष्योन्मुखी दृष्टि वाले नेतृत्व में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत धीरे-धीरे इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। 'एक देश-एक टैक्स' की सफलता ने इस बात को सही साबित किया है। अब तक देश के लगभग एक तिहाई राज्यों में लागू हो चुके 'एक नेशन-एक राशन' कार्यक्रम के ऐसे ही सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। इसी प्रकार, एक देश-एक कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू किए जाने के विचार को भी जनता के एक विशाल वर्ग का अपार समर्थन मिल रहा है।

'एक देश-एक चुनाव' लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव एक साथ करवाने का एक नीतिगत उपक्रम है। इसे समझने के लिए हमें चुनाव की प्रक्रिया को समझना होगा। हमारे देश में केंद्र और सभी राज्यों में, केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर, जनता द्वारा चुनी हुई सरकारें कार्य करती हैं। इनका कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। ये कार्यकाल, किसी भी महीने पूरा हो सकता है। जब किसी निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो जाता है, तो उस राज्य में अथवा केंद्र में एक निर्धारित अवधि के अंदर नए चुनाव कराना आवश्यक होता है, ताकि वहां नई सरकार गठित की जा सके और देश और उस प्रदेश का काम फिर से सुचारू ढंग से चलना सुनिश्चित किया जा सके।

चुनावों की प्रक्रिया को निर्बाध व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए, काफी बड़े तंत्र व खर्च की आवश्यकता होती है। जितने ज्यादा चुनाव, उतनी ही ज्यादा व्यवस्था। 2023 को ही लें। इस साल राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम समेत देश के दस राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें कितने समय, धन और व्यवस्था की जरूरत पड़ेगी, इसका अंदाजा लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। ऊपर से, इन चुनावों के खत्म होते-होते लोकसभा चुनावों की गहमागहमी शुरू हो जाएगी। अब सोचिए कि अगर इन राज्यों के और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था की जा सके तो कितना देश का कितना समय और धन बचेगा।

आज अगर हम देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें, तो पायेंगे कि हर वर्ष देश को कोई न कोई हिस्सा चुनावमय बना रहता है। लेकिन, शुरुआत में ऐसा नहीं था। देश के पहले आम चुनावों से लेकर अगले पंद्रह सालों तक, 1952,1957, 1962, 1967 में चार बार लोकसभा चुनाव हुए और हर बार

राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी इनके साथ-साथ ही करवाए गए। लेकिन, जब 1968-69 में अलग-अलग कारणों से कुछ राज्यों की विधानसभाएं उनका कार्यकाल खत्म होने से पहले ही भंग कर दी गईं, तो यह सिलसिला बाधित हो गया। यहां तक कि पहली बार लोकसभा चुनाव भी समय से पहले ही करवा लिए गए। चौथी लोकसभा का कार्यकाल 1972 तक था, लेकिन आम चुनाव इसके पूरा होने से पहले ही 1971 में करा लिए गए।

इससे समझा जा सकता है कि अगर राज्यों के विधानसभा चुनाव और आम चुनाव एक साथ आयोजित कराने की बात की जा रही है तो इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जिस पर आपत्ति की जानी चाहिए। लेकिन, जब भी केंद्र में सत्तासीन एनडीए सरकार, एक बार फिर इस व्यवस्था की बहाली की बात करती है तो विपक्ष इस तरह मुखर हो उठता है कि जैसे उसे किसी भी हाल में यह नहीं होने देना है। भाजपा विरोधी कुछ दल इसे भाजपा का 'सत्ता का केंद्रीकरण करने की योजना' कहकर इसका विरोध जारी रखे हैं, जबकि सच तो यह है कि 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा काफी पुरानी है। इस विषय पर संविधान समीक्षा आयोग, विधि आयोग, चुनाव आयोग और नीति आयोग जैसे प्रभावशाली संस्थानों की राय भी काफी सकारात्मक है। अब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में राजग सरकार, राष्ट्रहित में इस विचार को और अधिक लटकाए न रखकर एक ठोस व साकार रूप देना चाहती है।

25 साल से जारी है विचार: विशेषज्ञ लंबे समय से 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर अपनी राय व्यक्त करते रहे हैं। वर्ष 1999 में विधि आयोग ने अपनी 170वीं रिपोर्ट में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने का समर्थन किया था। रिपोर्ट का एक पूरा अध्याय इसी मुद्दे पर केंद्रित है। चुनाव सुधारों पर विधि आयोग की इस रिपोर्ट को देश में राजनीतिक प्रणाली के कामकाज पर अब तक के सबसे सटीक दस्तावेज़ों में से एक माना जाता है। मजबूत केंद्र एवं शक्तिशाली नेतृत्व के प्रबल पक्षधर, तत्कालीन गृहमंत्री और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने इसे राजनीतिक स्तर पर प्रमुखता से उठाया था। वर्ष 2003 में, अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया था।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' को लेकर भाजपा की इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता, पार्टी के 2014 और 2019 के घोषणापत्रों में भी देखी जा सकती है। दूसरी बार सत्ता संभालने के महज एक ही महीने बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून 2019 को इस पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इसके लिए आमंत्रित 40 दलों में से 21 दलों के नेता इस विमर्श में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में रखी गई इस बैठक में शामिल हुए। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया, जिससे इस मुद्दे पर आम सहमति बनाई जा सके और इसके काम करने के तरीकों की व्यवहारिकता और संभावनाओं को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की जा सके।

समय की मांग है 'एक देश, एक चुनाव': इसके पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य तो यही है कि राजकोष पर पड़ने वाले चुनावी खर्च के बोझ को कम से कम किया जाए, जो पिछले कुछ दशकों में लगातार बढ़ता ही गया है। इसके अलावा थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद होने वाले चुनावों के दौरान आचार संहिता लागू हो जाने से बहुत सारे विकास कार्य और जनहित कार्यक्रम बाधित होते हैं, इससे भी बचा जा सकेगा।

अगर हम खर्च की ही बात करें तो पिछले पैटर्न को देखते हुए हम पाएंगे कि पहले आम चुनावों से लेकर पिछले आम चुनावों तक उम्मीदवारों की संख्या करीब पांच गुना बढ़ी है, लेकिन चुनावों पर आने वाला खर्च पांच हजार गुना से भी ज्यादा हो गया है। 1951-52 में जब पहले लोकसभा चुनाव हुए थे, तो इनमें 53 राजनीतिक दल चुनावी समर में उतरे थे। इन चुनावों में 1874 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और खर्च आया कुल 11 करोड़ रुपए। अब 2019 के लोकसभा चुनावों को देखते हैं। इनमें कुल 9000 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और खर्च था लगभग 60 हजार करोड़ रुपए। यानि हर लोकसभा क्षेत्र पर औसतन 110 करोड़ का खर्च। जबकि 2014 के आम चुनावों पर इसका आधा ही यानी लगभग 30 हजार करोड़ रुपए खर्च आया था।

अब देश में विधानसभा सीटों की बात करते हैं। सभी राज्यों में कुल मिलाकर विधानसभा की चार हजार से अधिक सीटें हैं। मोटे-मोटे तौर पर एक लोकसभा क्षेत्र में करीब आठ विधानसभा सीटें आती हैं। अगर हम 2019 के आम चुनावों के खर्च को विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह लगभग 15 करोड़ रुपए प्रति विधानसभा सीट बैठता है। मान लीजिए कि एक लोकसभा सीट और उसके अंतर्गत आने वाली आठ विधानसभा सीटों के लिए दो अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। ऐसे में यह खर्च दोगुना हो जाएगा। लेकिन, अगर हम इन्हीं चुनावों को एक साथ करायें तो इस खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इससे जो धन राशि बचेगी, उसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने जैसे कार्यों में किया जा सकता है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

चुनौतियां भी कम नहीं: सिर्फ खर्च ही नहीं, बल्कि अन्य कई दृष्टि से भी 'एक देश एक चुनाव' का विचार काफी फायदेमंद है। इसमें प्रशासनिक तंत्र और सुरक्षा बलों पर बार-बार पड़ने वाला बोझ कम होगा, जिससे वे चुनावी गतिविधियों से बचा समय दूसरे उपयोगी कामों को दे सकते हैं। मतदाता सरकार की नीतियों को केंद्र व राज्य दोनों स्तर पर परख सकेंगे। बार-बार चुनाव होते रहने से शासन-प्रशासन के कार्यों में जो बाधाएं आती हैं, उनसे बचा जा सकेगा। साथ ही एक निश्चित अंतराल के बाद चुनाव कराए जाएंगे तो जनता को भी राहत मिलेगी और राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, चुनावों में सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को इनकी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। हालांकि, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में इस राह में बहुत सारी चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या तो लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल के बीच सामंजस्य स्थापित करने की है। अगर हम 2024 के आम चुनावों को ही लें तो देश के करीब आधे राज्यों की विधानसभाएं इन चुनावों के दौरान ऐसी होंगी, जिन्होंने अपना आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं किया होगा। ऐसे में उन्हें बीच में भंग कर नए चुनाव कराना बहुत सारे राजनीतिक विवादों का सबब बन सकता है। मान लीजिए कि राजनीतिक दल आपसी सहमति से इसके लिए तैयार भी हो जाते हैं, तो इस विचार को व्यावहारिक धरातल पर उतारने के लिए कई विधानसभाओं के कार्यकाल को घटाना पड़ेगा और कई के कार्यकाल को बढ़ाना। और इसके लिए संविधान में अनेक संशोधनों की आवश्यकता होगी। जैसे कि अनुच्छेद 83, जो कहता है कि लोकसभा का कार्यकाल उसकी पहली बैठक की तिथि से पांच वर्ष होगा और अनुच्छेद 172, जो यही प्रावधान विधानसभा के लिए निर्धारित करता है। इसके अलावा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और संसदीय प्रक्रिया में भी बदलाव करना होगा।

मां दिवस 14 मई द्वितीय रविवार ...

छोटे से शब्द 'मां' का दर्शन बड़ा है

÷एक माटी का दिया सारी रात , अंधेरे से लड़ता है , जिसके पास मां है , फिर वह किस बात से डरता है । ÷

आज मातृ दिवस पर फिर मुझे कुछ लिखने का मन कर रहा है। फिर सोचता हूं मां के लिए क्या लिखूं ....? मां वह शख्स है जिसने खुद मुझे लिखा है... मां ही वह रचनाकार है जो हमारे सुख और दुख में साथ खड़ी रहने के लिए ईश्वर द्वारा इस धरती पर भेजी गई है । मां एक एहसास है, जो जिंदगी भर हमारे साथ चला करती है । अपने बच्चों के जीवन की डोर भी मां ही है । जो भी इस दुनिया में आया है उसका सार मां ही है । संस्कारों से लेकर जरूरत को हकीकत में बदल देने वाली प्रतिमूर्ति भी मां ही है । इंसान अगर एहसास करे तो जितना छोटा शब्द मां है उतना ही बड़ा उसका दर्शन है । मां को हम प्यार और स्नेह का खजाना मान सकते हैं । बिना किसी स्वार्थ के बच्चे ही नहीं परिवार के हर किसी की लापरवाही को नजर अंदाज कर देना एक मां की ही सहनशक्ति है । हम अपने घरों की रसोई में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाकर उसे पूजा करते हैं । यह प्रार्थना करते हैं कि हे ! मां हमारे किचन में भोजन की कमी ना पड़े । क्या कभी इस बात पर विचार किया है - कि मां ही वह अन्नपूर्णा का रूप है जो घर परिवार में अपने बच्चों से लेकर हर किसी के पेट की चिंता करती है । खुद भले ही पानी पीकर अपनी भूख शांत कर ले किंतु किसी अन्य को भूखा नही देख सकती है । प्रतिवर्ष मां दिवस पर मैं अपने आप को किस्मत वाला मानता हूं कि आज भी मुझे मेरी मां का आशीर्वाद मिल रहा है । ईश्वर से भी प्रतिदिन यही प्रार्थना करता हूं कि मेरे सिर पर मां का साया हमेशा बना रहे ।

जहां तक मैंने अपने जीवन के छह दशकों में अनुभव किया है -÷ मां एक सुखद अनुभूति है ।÷ वह एक शीतल आवरण है , जो हमारे दुख तकलीफ की तपिश को अपने आंचल तले ढक लेती है । उसका होना ही हमें जीवन की हर लड़ाई लड़ने की अपार शक्ति प्रदान कर जाता है । वास्तव में हृदय से कहूं तो शब्दों से परे है मां ! मां शब्द के अर्थ को उपमाओं में बांधना संभव नहीं है ! जिस तरह विशाल समुद्र को नाप पाना असम्भव है , ठीक उसी तरह मां भी संपूर्ण ब्रह्मांड है , जिसके प्यार और स्नेह को किसी पैरामीटर में नापने की शक्ति ईश्वर ने किसी को प्रदान नहीं की है। इस मृत्युलोक में जन्म लेने के बाद मनुष्य जहां अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति जन्मभूमि अर्थात धरती मां से पूर्ण करता है , तो जीवन दायी आवश्यकताओं की पूर्ति जन्म देने वाली मां से ही पूरी कर पता है ! मनुष्यों से लेकर पशु- पक्षियों तक को आत्मनिर्भर , स्वावलंबी एवं कुशल बनाने में मां की ही भूमिका सामने आती रही है । दुनिया में मां ही अनंत शक्तियों की स्त्रोत होती है। यही कारण है कि उसे ईश्वरीय शक्ति का प्रतिरूप माना जाता है । मां के समीप रहकर उसकी सेवा करके, उसके शुभाशीष से जो आनंद प्राप्त किया जा सकता है , उसका वर्णन कर पाना संभव नहीं है । ऐसा व्यक्ति जो मां के स्नेह , ममत्व की छांव में रहकर सद्गुण , संस्कार और नम्रता को प्राप्त करता है , वह अपने संपूर्ण जीवन काल में समस्त सुखों और जीवन लक्ष्य को प्राप्त कर ऊंचाइयों को पा लेता है । दूसरी ओर ऐसा व्यक्ति जो अपने कर्तव्यों के निर्वहन में मातृशक्ति को , उसके ममत्व को, उसके स्नेह को उपेक्षित कर उन्नति का मार्ग ढूंढने का प्रयास करता है , वह जीवन भर निराशा के सागर में गोते लगाता रहता है । किसी रचनाकार ने बड़े ही सुंदर शब्दों में कहा है-

÷ कर्ता करे , ना करे , मां करे सब होय,
सात द्वीप नौ खंड में, मां से बड़ा न कोए।÷

कहा जाता है कि एक पुत्र , कुपुत्र हो सकता है। एक पुत्री , कुपुत्री हो सकती है , किंतु एक माता कभी कु- माता नहीं हो सकती ! एक संतान मां को घर से निकल सकती है , लेकिन मां हमेशा अपनी संतान को आश्रय ही दिया करती है। दुनिया की हर नारी में मातृत्व वास करता है । बेशक उसने संतान को जन्म दिया हो या ना दिया हो । नारी इस संसार और प्रकृति की जननी ही कही जाती है । नारी के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती । इस सृष्टि में हर जीव- जंतु की मूल पहचान उसकी मां ही होती है । अगर मां ना हो तो , संतान नहीं होगी और ना ही सृष्टि आगे बढ़ पाएगी ! क्या कोई इस बात से इनकार कर सकता है - कि जीवन की डोर मां के हाथ में ही होती है ? प्रत्येक घर में दिन की शुरुआत मां से ही होती है ! सारे नाज- नखरे को सहकर हंसता हुआ चेहरा केवल मां का ही दिखाई पड़ता है ! भले ही वह अनपढ़ हो किंतु अपने बच्चों के हक के लिए बड़ी से बड़ी लड़ाई भी लड़ जाती है । मैं मां के लिए चाहे जितना भी लिखूं वह कम ही है । थक - हार कर काम से लौटते ही घर में कदम पड़े नहीं की मुंह से पहले मां ह ी

निकलता है! मां तुम कहां हो ? मां के बिना घर- आंगन सूना- सूना सा लगता है । मां में मैंने कभी कोई अधीरता नहीं देखी ! शांत , निश्चल बिल्कुल एक ईश्वरीय मूर्ति की तरह ! इस हद तक की कभी-कभी खुद पर शर्मिंदगी होती है - उन मौकों को याद करके जब मैंने आवेश में आकर मां को कुछ गलत कह दिया हो ! तब , बस आंखों की कोर से निकले आंसू प्रमाण होते हैं , अपनी धृष्टता पर लज्जित होने के ! जैसे अभी लिखते हुए हो रहे हैं ।

÷ मां के कदमों के निशान हैं,जिससे दिए रोशन है,
ध्यान से देखो वहीं पर, कहीं स्वर्ग भी होगा ।÷

मां के विषय में मैंने जो एहसास किया है वह कुछ इस तरह है- हर कलाकार चाहे वह लेखक हो, कवि हो, चित्रकार हो , संगीतकार हो , नृत्य कार हो , अपनी कला को अपना नाम दिया करता है । लोग उसे उसकी कला के लिए सम्मान देते हैं , और वह गर्व से फूला नहीं समाता है ! दुनिया में एक मां ही है जो बच्चे को जन्म देकर भी उसे अपना नहीं ,बल्कि उसके पिता का नाम देती है ! क्या हम इसे उसके स्वार्थ से ऊपर नहीं मान सकते हैं ? नौ माह तक विपरीत परिस्थितियों में भी अपने खून से सींच कर उसे इस दुनिया लाना । पिता के लिए गौरवान्वित करने वाला शख्स बनाने के बाद भी मां के मन में अपने नाम के लिए इच्छा जागृत नहीं होती कि यह वही पुत्र अथवा पुत्री है जिसे उसने बहुत सी तकलीफों को सहकर भी जन्म दिया है ! बावजूद इसके इस आधुनिक समय में या मैं कहूं घोर कलयुग में ऐसे लोगों की कमी नहीं जो मां के असहाय होने पर उनकी सेवा करने के बजाय उन्हें वृद्धाश्रम का मार्ग दिखा देते हैं ! या फिर घर पर ही अस्पताल का दृश्य तैयार करते हुए उनकी देखरेख के लिए नर्स रख दिया करते हैं ! जरा विचार करें कि गर्मी , ठंड और बरसात में अपने बच्चों को पालने में मां ने क्या कष्ट उठाए हैं ? खुद बच्चों के द्वारा गीले किए गए बिस्तर पर ठंड भरी रात में ठिठुरते हुए , अपने बच्चों को सुखद अहसास देने के लिए मां ने क्या क्या नहीं सहा ? मुझे किसी अज्ञात शायर की लाइने याद आ रही है - उन्होंने बड़ा अच्छा लिखा है--

÷ मां ही रोती आंखों में , हंसता निखार है ,
मां का ही दूसरा रूप संसार है ।÷

हमारे शास्त्रों में भी मां के विषय में कहा गया है कि - जिस घर में मां नहीं होती अथवा मां का सम्मान नहीं होता , वहां दुर्गा , लक्ष्मी और सरस्वती का वास नहीं होता ! हम नदियों को भी अपनी मां का दर्जा दे सकते हैं ! अपनी भाषा को भी मां कह सकते हैं ! तो फिर अपनी मां से वह हक क्यों छीन रहे हैं ? यह गंभीर विचारणीय तथ्य है । मां के सम्मान का एक दिन नहीं वरन 365 दिन होना चाहिए । आज हमें यह संकल्प लेने की जरूरत है कि हम अपनी गलतियों के लिए मां से माफी मांगे। मां की आज्ञा का पालन करने और अपने दुर्व्यवहार से माता को कष्ट न देने हेतु कृत संकल्पित हो , मातृ दिवस को सार्थक बनाएं । एक मां अपनी संतान के लिए छाया, सहारा और रक्षक का काम करती है । यह भी कहा जाता है कि दुनिया में कहीं स्वर्ग है तो वह मां के चरणों में ही है । श्रीमद भागवत गीता में भी जहा गया गई कि मां की सेवा से मिला आशीर्वाद सात जन्म के पापों को नष्ट करता है । अंत में थी कह सकता हूं -

÷ पगली है दुनिया रब , को मनाने मंदिर
मंदिर भटकती है ,
घर में ही होता है तीरथ , मुझको
नजर जब मां आती है । ÷

डॉ सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

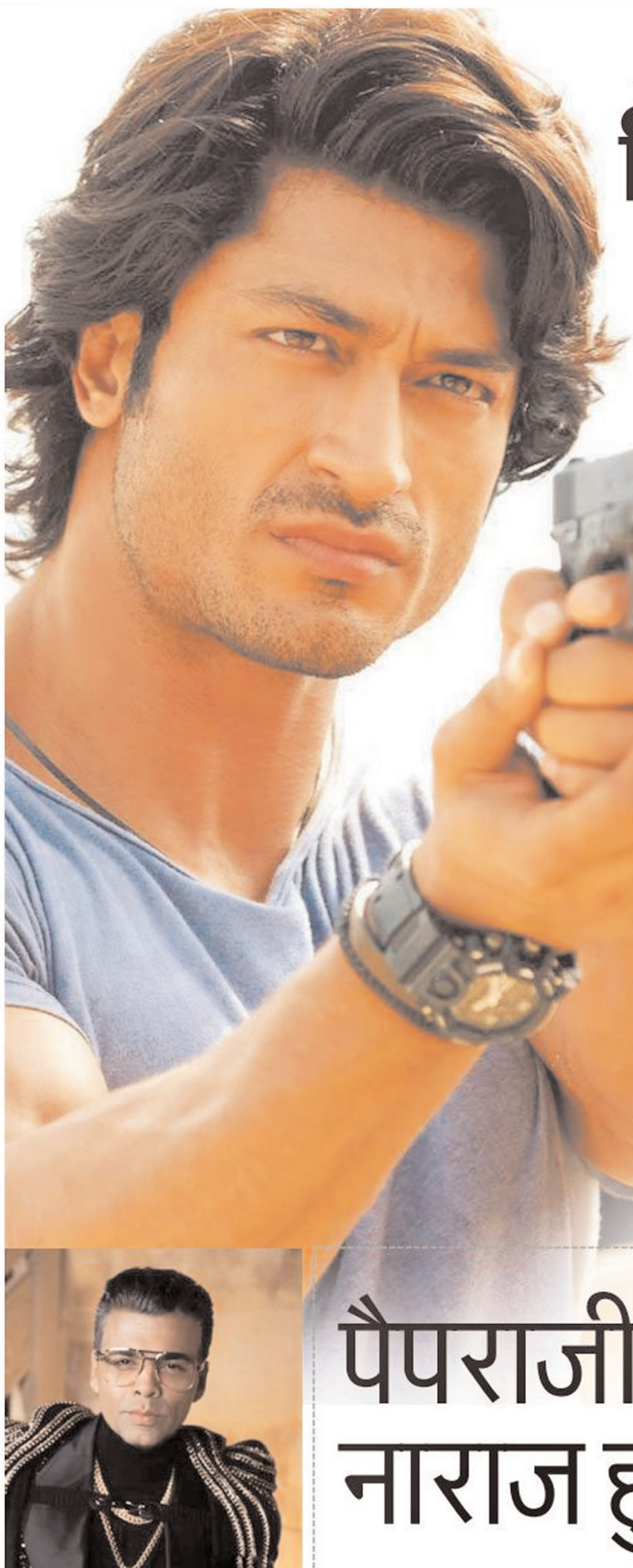

आईबी-71 पर बोले विद्युत जामवाल

बतौर एक्टर और डेब्यू प्रोड्यूसर विद्युत जामवाल की फिल्म 'आईबी 71' रिलीज हो गई है। आईबी-71 में विद्युत एक इंटेलिजेंस ब्यूरो ऑफिसर के भूमिका में नजर आएंगे। इसका डायरेक्शन उन्होंने 'गाजी' फेम डायरेक्टर संकल्प रेड्डी से करवाया है। इसमें आतंकी का रोल 'मर्दानी2' फेम एक्टर विशाल जेठवा निभा रहे हैं।

आईबी-71 बाकी स्पाई थ्रिलर फिल्मों से अलग कैसे है?

हर जंग तो कमोबेश समान हथियारों से लड़े जाते रहे हैं, पर उन्हें चलाने वाले लोग किस तरह उन हालातों को डील करते हैं, वह हर जंग को बेहद अलग बना देता है। तो हमारी फिल्म किसी बिल्कुल आईबी71 जैसी है। किसी और जैसी नहीं है।

ट्रेड के मुताबिक अक्षय कुमार बतौर प्रोड्युसर ब्रैंड नेम देते हैं, वो पैसे नहीं लगाते? आप किस तरह फिल्में प्रोड्यूस कर रहे?

जहां आप काम करते हैं, वहां तो आप सैलरी लेते हैं। तो सैलरी को जस्टिफाई करना पड़ता है, क्योंकि कंपनी के पैसे तो किसी और के हैं। वैसे ही प्रोड्क्शन में पैसे किसी और के लगें हों, तो भी आप को वह जस्टिफाई करना तो है। तो जिम्मेदारी तो सेम ही है। मैं उस तरह देखता ही नहीं हूं। मेरी जेब और दोस्त का पैसा एक ही तो है।

बतौर प्रोड्यूसर किस तरह की फिल्में आगे लाएंगे ?

ये तो पता नहीं। वो सोच तो चलती रहती है। पर मुझे किस तरह के लोगों के साथ काम करना है, वह तय है। अगर किसी मैं टैलेंट है और वो बाकियों में नहीं दिख रहा, पर मुझे पता चला तो मैं यकीनन उसके साथ काम करूंगा।

विद्युत पर इस बार दोहरी जिम्मेदारी थी, ये कैसे किया ?

मैं इस फिल्म का प्रोड्यूसर भी हूं तो दो जिम्मेदारियां तो थीं। मैंने सेट पर उसूल बनाए रखा कि अगर मेरे सेट पर कोई काम करने जा रहा है, तो उसे मजा आना ही चाहिए। तो वहां के माहौल से लेकर खान पान का भी पूरा ख्याल रखा। बाकी विशाल हों या अनुपम सर हों वो पहले से तैयार होकर सेट पर आते हैं। तो हमारी शूटिंग बेहद स्मूदली हो गई।

विशाल ने विद्युत से क्या टिप्स लिए?

मैं सच कहूं तो बॉडी बनाने की ही टिप्स नहीं देता फिरता। वरना दिक्कत न हो जाए।

क्या आप कभी मल्टीस्टारर फिल्म करना चाहेंगे ?

मैं ओपन हूं। मेरी जो पहली फिल्म थी साउथ में, वहां मैंने तारक यानी जूनियर एनटीआर के साथ काम किया था। मैं उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगा। मैंने साउथ के एक्टर अजित जी के साथ काम किया है। उनसे काफी कुछ सीखा है सिनेमा और लोगों के बारे में। मैं बॉलीवुड में टाइगर श्रॉफ और ऋतिक रोशन के साथ टू हीरो वाली फिल्म करना चाहूंगा।

फिल्मों में केवल लीड रोल निभाएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में बताया कि वो अब केवल लीड रोल ही करेंगे, भले ही उन्हें अपनी फिल्म के लिए खुद पैसा लगाना पड़े। एक्टर ने कहा जरूरी नहीं है कि उन्हें फिल्म में हीरो दिखाया जाए, लेकिन उनका किरदार अहम होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सलमान और शाहरुख के साथ काम करने को लेकर भी बात की। डीएनए को दिए इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा- 'ऐसा नहीं है कि मैं सलमान या शाहरुख के साथ काम नहीं करना चाहता। पहले भी इस इंडस्ट्री में लीड और साइड रोल के बीच अंतर रहा है। चाहे वो दुनिया की कोई भी फिल्म इंडस्ट्री हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन यहां सपोर्टिंग रोल्स को महज नाम मात्र रखा जाता है।'' मैं किसी तरह से इससे बच गया हूं, अब मैं उस गलती को दोहराना नहीं चाहता। मैं केवल लीड रोल ही करूंगा, भले ही मुझे फिल्म में खुद पैसा लगाना पड़े।'नवाज ने आगे कहा- 'जैसे मैंने रईस में काम किया, मेरा किरदार शाहरुख के अपोजिट था और बेहद जरूरी भी। मैंने हीरोपंती 2 में भी काम किया। भले ही फिल्म ने अच्छा कलेक्शन न किया हो, लेकिन वहां भी मैं लीड रोल में था। अब मैं बड़ी फिल्मों में ऐसे ही रोल तलाशता हूं।'नवाजुद्दीन ने कहा कि अब वो छोटे रोल नहीं करना चाहते। अब उनके रोल अहम होने चाहिए भले वो हीरो बने या फिर विलेन, उन्हें इससे फर्क नहीं पड़ता। वो बहुत वक्त तक इस दौर से गुजरे हैं, इसलिए अब इसे दोहराना नहीं चाहते हैं।

अफवाह को कम स्क्रीन्स मिलने पर निराश हुए नवाज

एक्टर इन दिनों अपनी फिल्म अफवाह को लेकर सुर्खियों में हैं। हालांकि, फिल्म को दर्शकों बेहतर रिस्पॉन्स नहीं मिल पार रहा है। दरअसल फिल्म को बेहद कम स्क्रीन्स पर रलीज किया गया है, जिसे लेकर नवाज काफी निराश हैं। उन्होंने कहा- अगर आप थिएटर्स में फिल्म रिलीज कर रहे हैं, तो फिल्म लोगों तक पहुंचानी चाहिए। अब क्या होगा कि फिल्म अच्छा कलेक्शन नहीं कर पाएगी। इसके बाद लोग कहेंगे कि फिल्म नहीं चल रही है। इससे स्टार्स पर भी असर पड़ेगा। जबकि लोगों को कहीं भी फिल्म के शोज मिल ही नहीं रहे हैं।

आज भी अपनी रिलीज पर नर्वस हो जाते हैं नवाज

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने करियर पर बात की। उन्होंने कहा कि भेल ही वो दो दशक से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। लेकिन आज भी जब उनकी फिल्म रिलीज होती है, तो वो नर्वस हो जाते हैं। इस बारे में बात करते हुए नवाज ने कहा- आप हमेशा यही चाहते हैं कि आपकी फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। अब आपके काम को दर्शक कितना पसंद करते हैं, आप कितने कामयाब होते हैं, यह सब ऑडियंस पर डिपेंड करता है।

द गेम ऑफ गिरगिट में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा की हालिया रिलीज फिल्म द केरल स्टोरी ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। इस फिल्म की सफलता के बाद अदा की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। वहीं अब अदा शर्मा के हाथ एक और फिल्म लग गई है। अदा को श्रेयस तलपड़े की फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट में कास्ट किया गया है। इस फिल्म में वह एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी। इस थ्रिलर फिल्म को गंधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड प्रोड्यूस कर रही है। फिल्म का निर्देशन विशाल पंड्या करेंगे। खबरों के अनुसार द गेम ऑफ गिरगिट ब्लू व्हेल गेम पर आधारित है। इस गेम को खेलने वाले कई बच्चों के सुसाइड करने की खबरों ने बीते दिनों तहलका मचा दिया था। हाल ही में अदा शर्मा के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म का पहला पोस्टर भी रिलीज किया गया है। पोस्टर में अदा शर्मा के साथ श्रेयस तलपड़े भी नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, आपने सुना होगा लोग गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं... पर जल्द ही आप देखोंगे गिरगिट रंग कैसे बदलता है। अदा शर्मा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज फिल्म द केरल स्टोरी विवादों के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही हैं। इस फिल्म में लड़कियों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन करने और फिर उन्हें आतंकी संगठन में शामिल करने की कहानी को दिखाया गया है।

10 पार्ट्स में महाभारत बनाना चाहते हैं राजामौली

हाल ही में डायरेक्टर एसएस राजामौली ने एक इवेंट के दौरान बताया कि अगर वो कभी महाभारत पर फिल्म बनाते हैं तो वो फिल्म कैसी होगी। राजामौली ने अपनी बहन के पति डॉक्टर एवी गुरुवा रेड्डी से बात करते हुए बताया कि अगर वो कभी महाभारत पर फिल्म बनाने पर आ गए तो वो 10 अलग-अलग पार्ट में पूरी महाभारत को फिल्माना चाहेंगे।

महाभारत पढ़ने में लग जाएगा एक साल का समय

उन्होंने कहा- हमारे देश में महाभारत के कई अलग-अलग वर्जन मौजूद हैं। उन सभी को पढ़ने में ही मुझे कम से कम एक साल लग जाएगा और अगर मैं महाभारत पर कभी फिल्म बनाता हूं तो ये फिल्म 10 पार्ट्स में होगी। महाभारत पर फिल्म बनाने को लेकर मेरे मन में यही आइडिया है।

महाभारत को फिल्माने के लिए ही मिली हर सीख

पुराने इंटरव्यू में राजामौली बता चुके हैं कि महाकाव्य पर फिल्म बनाना उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। इवेंट में राजामौली ने कहा- जब भी मैं कोई फिल्म बनाता हूं मुझे ऐसा महसूस होता है कि मैं महाभारत पर फिल्म बनाए के लिए ये सब सीख रहा हूं। कुछ बड़ा करने के लिए छोटे-छोटे स्टेप्स से सीखना बहुत जरूरी है। मेरी हर फिल्म महाभारत पर फिल्म बनाने के लिए लिया गया कदम है, छोटी-सी कोशिश है।

मेरी महाभारत न तो आपने पहले कभी देखी होगी, न सुनी होगी

इससे पहले राम चरण के साथ हुई बातचीत में राजामौली ने बताया था कि उनकी महाभारत का मटेरियल और कैरेक्टर उससे पूरी तरह अलग होंगे जिस तरह हम आज महाभारत की सेटिंग और किरदारों को जानते हैं। राजामौली ने कहा था- मैं महाभारत में अपने किरदारों को जिस तरह से पेश करूंगा, वैसा कुछ आपने पहले कहीं भी न कभी देखा होगा, न सुना होगा। मेरे मन में महाभारत को लेकर ऐसा ही कुछ विजन है। मैं अपने तरीके से आपको महाभारत की कहानी सुनाऊंगा।

पैपराजी पर नाराज हुई मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो हमेशा ही खबरों में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। इसके साथ ही मलाइका अपने लुक्स और स्टाइलिश अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस अक्सर ही शहर में अपने कैजुअल आउटिंग के दौरान स्पॉट होती रहती हैं। वह इस दौरान भी खुशी खुशी पैपराजी के आगे पोज देती हैं। हालांकि इस बार एक्ट्रेस पैपराजी पर काफी नाराज दिखाई दी हैं।

शुक्रवार के दिन मलाइका अरोड़ा को एक क्लीनिक पर स्पॉट किया गया था। जैसे ही वह अपनी कार से बाहर निकलीं, फोटोग्राफर्स ने बिल्डिंग के मुख्य गेट तक उनका पीछा किया। उस दौरान एक्ट्रेस ने एक सफेद रंग का टैंक टॉप और कार्गो पैंट पहन रखी थी और उन्होंने बालों का बन बनाया हुआ था। जैसे ही मलाइका ने अंदर कदम रखा तभी एक फोटोग्राफर ने अपना संतुलन खो दिया और हाथ में कैमरा लिए उनसे टकरा गया। मलाइका ने जल्दी से गफ्फ पर ध्यान दिया और पैपराजी को कड़ी नजर से देखते हुए कहा कि आराम से आराम से। इसके बाद वह तुरंत लिफ्ट के अंदर चली गईं, जहां पर उनका बेटा अरहान पहले से ही उनका इंतजार कर रहा था। बीते दिनों मलाइका ने कहा था कि वह अर्जुन के साथ अपना परिवार शुरू करने के लिए तैयार हैं। हालांकि उसने अपनी शादी को लेकर साफ तौर पर कुछ नहीं कहा है। एक्ट्रेस के बातों से यह महसूस होता है कि वह अब शायद शादी के लिए तैयार हैं।

बिग बॉस ओटीटी 2 से कटा करण जौहर का पत्ता, सलमान करेंगे होस्ट

रियलिटी शो बिग बॉस के हर सीजन को दर्शक भरपूर प्यार देते है। बिग बॉस के लगभग सभी सीजन को सलमान खान होस्ट करते नजर आते हैं। वहीं बिग बॉस ओटीटी का पहला सीजन भी काफी पॉपुलर हुआ था। इस रियलिटी शो को करण जौहर होस्ट करते नजर आए थे। शो में करण जौहर को बतौर होस्ट काफी पसंद किया गया था। अब एक बार फिर बिग बॉस ओटीटी की चर्चा जोरों पर है। बिग बॉस ओटीटी को लेकर जो खबर सामने आ रही है उससे करण जौहर के फैंस को झटका लग सकता है। खबरों के अनुसार मेकर्स ने करण जौहर को बिग बॉस ओटीटी से बाहर कर दिया है। बताया जा रहा है कि बिग बॉस ओटीटी को भी सलमान खान ही होस्ट करेंगे। बताया जा रहा है कि बिग बॉस टीवी को बेहतरीन तरीके से होस्ट करने वाले सलमान खान ने अब ओटीटी की भी जिम्मेदारी संभाल ली है। इसके लिए भाईजान की मेकर्स के साथ तगड़ी डील भी हो गई है। खबरों के अनुसार बिग बॉस ओटीटी के दूसरे सीजन की शुरुआत मई के अंत या फिर जून में हो सकती है। शो 3 महीने तक ही दिखाया जाएगा। इस शो को वूट एप पर देखा जा सकता है। हालांकि इस बारे में अभी तक करण जौहर या शो के मेकर्स की ओर से कोई रिएक्शन नहीं आया है।

दीपिका पादुकोण ने हासिल की एक और उपलब्धि, टाइम मैगजीन के कवर पर छाईं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने शानदार फिल्मी करियर में कई उपलब्धियां अपने नाम की है। बीते साल दीपिका को मेंटल हेल्थ के क्षेत्र में अहम योगदान देने के लिए टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया था। वहीं अब अपनी अंतरराष्ट्रीय हैट में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए दीपिका पादुकोण ने टाइम मैगज़ीन के कवर पर जगह बनाई हैं। इस उपलब्धि के साथ दीपिका पादुकोण ग्लोबल स्टार की श्रेणी में आ गई हैं। इसके साथ, दीपिका पादुकोण टाइम के कवर पर आने वाले भारतीय अभिनेताओं की सूची में शामिल हो जाती हैं, क्योंकि वह बराक ओबामा, ओपरा विन्फ्रे और कई अन्य प्रभावशाली हस्तियों जैसे वैश्विक हस्तियों के एलीट क्लब में शामिल हो गई हैं, जिन्हें यह सम्मान मिला है। दीपिका पादुकोण की अद्वितीय लोकप्रियता, व्यापक वैश्विक अपील और अपराजेय स्टारडम ने भारत को वैश्विक मानचित्र पर ला खड़ा किया है। केवल इसी वर्ष, दीपिका पादुकोण ने ऑस्कर में एकमात्र भारतीय प्रस्तुतकर्ता के रूप में मंच संभाला और इस वर्ष के ऑस्कर पुरस्कारों में सबसे चर्चित व्यक्तित्वों में से एक थीं। दीपिका पादुकोण ने 2022 को एक धमाके के साथ समाप्त किया और फीफा विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण करने वाली पहली भारतीय बनने के लिए सुर्खियां बटोरी थीं। वह प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 में आठ सदस्यीय जूरी का भी हिस्सा थीं, जिससे वह प्रतिष्ठित जूरी में एकमात्र भारतीय बन गईं। देश की सबसे बड़ी वैश्विक ब्रांड एंबेसडर, दीपिका ने वैश्विक लक्जरी ब्रांडों, लुई वुइटन और कार्टियर के साथ सबसे बड़ी विज्ञापन डील हासिल की है। यदि वैश्विक क्षेत्र में उनके प्रभाव के लिए यह पर्याप्त गवाही नहीं थी, तो उन्हें किम कार्दशियन, बेला हदीद, बेयोंस और एरियाना ग्रांडे के साथ दुनिया की 10 सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया था।

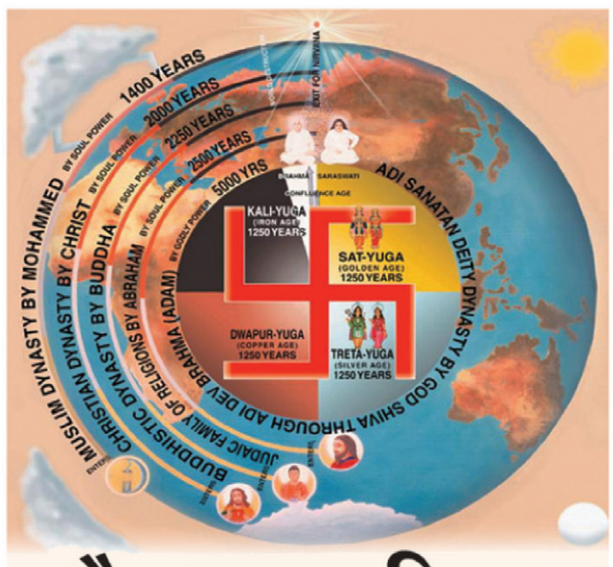

कौन-सा युग किस माह की किस तिथि को हुआ था प्रारंभ?

हिन्दू धर्म में समय की बहुत ही व्यापक धारणा है। क्षण के हजारवें हिस्से से भी कम से शुरू होने वाली कालगणना ब्रह्मा के 100 वर्ष पर भी समाप्त नहीं होती। इसमें चार युग बहुत छोटी सी अवधि मानी जाती है। दिन, पक्ष, मास, अयन, युग, मन्वंतर, और कल्प में बंटा काल बहुत ही विस्तृत है। आओ जानते हैं कि चार युग किस तिथि को प्रारंभ हुए थे।

कल्प का काल सबसे बड़ा

हिन्दू धर्म में धरती के इतिहास की गाथा 5 कल्पों में बताई गई है। ये पांच कल्प है महत्, हिरण्य, ब्रह्म, पद्म और वराह। वर्तमान में चार कल्प बितने के बाद यह वराह कल्प चल रहा है।

सतयुग - इस युग का प्रारंभ कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ था।

त्रैतायुग - इस युग का प्रारंभ वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हुआ था।

द्वापर युग - इस युग का प्रारंभ फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को हुआ था।

कलि युग - इस युग का प्रारंभ आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हुआ था।

यदि हम युगों की बात करेंगे तो 6 मन्वंतर अपनी संध्याओं समेत निकल चुके, अब 7वां मन्वंतर काल चल रहा है। 27वां चतुर्युगी (अर्थात चार युगों के 27 चक्र) बीत चुका है। और, वर्तमान में यह वराह काल 28वें चतुर्युगी का कृतयुग (सतुयग) भी बीत चुका है और यह कलियुग चल रहा है। यह कलियुग ब्रह्मा के द्वितीय परार्ध में वराह कल्प के श्वेतवराह नाम के कल्प में और वैवस्वत मनु के मन्वंतर में चल रहा है। इसके चार चरण में से प्रथम चरण ही चल रहा है।

कलियुग की आयु

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है। श्रीमद्भागवत पुराण अनुसार शुकदेवजी राजा परीक्षित से कहते हैं जिस समय सप्तर्षि मघा नक्षत्र में विचरण कर रहे थे तब कलिकाल का प्रारंभ हुआ था। कलयुग की आयु देवताओं की वर्ष गणना से 1200 वर्ष की अर्थात मनुष?य की गणना अनुसार 4 लाख 32 हजार वर्ष की है।- 12.2.31-32

संवत्सर के मान से एक युग 5 वर्ष का

वर्ष को संवत्सर कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं।

1250 वर्ष का एक युग

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

गणेश चतुर्थी के दिन क्या उपाय करना चाहिए?

हिन्दू धर्मशस्त्रों के अनुसार चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। इस दिन विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा-आराधना करके कुछ खास उपाय भी किए जाते हैं। आइए जानते हैं खास 7 उपाय-

- श्री गणेश जी को सिंदूर अत्यंत प्रिय है। अत- संकष्टी चतुर्थी के दिन श्री गणेश को पूजन के समय सिंदूर का तिलक करने के पश्चात स्वयं की सिंदूर का तिलक करें और फिर श्री गणेश का पूजन करें। मान्यतानुसार सिंदूर सुख-सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, तथा यह श्री गणेश को प्रिय भी होने के कारण सुखमय जीवन बनेगा।
- संकष्टी चतुर्थी पर शमी के पेड़ का पूजन करने से श्री गणेश प्रसन्न होते हैं। उन्हें शमी के पत्ते अर्पित करने से दुख, दरिद्रता दूर होती है।
- अपार धन-संपत्ति चाहिए तो आज धनदाता गणेश स्तोत्र का पाठ करें। मंत्र- ऊँ श्रीं ऊँ ह्रीं श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः की 11 माला का जाप करें।
- जीवन में कोई विशिष्ट उपलब्धि चाहते हैं तो पूजा में लाल वस्त्र तथा लाल चंदन का प्रयोग करें। अगर सिर्फ मन की शांति और संतान की प्रगति की चाहत हैं तो सफेद या पीले वस्त्र धारण करके पूजन करें।
- जीवन की बड़ी से बड़ी परेशानियों से निजात पाना हो तो इस दिन श्री गणेश को 17 बार दूर्वा अर्पित करते समय ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र का जाप करें।
- खुद का घर लेने के इच्छुक हो तो संकष्टी चतुर्थी के दिन श्री गणेश पंचरत्न स्तोत्र का पाठ करें, लाभ अवश्य होगा।
- संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान श्री गणेश को गेंदे का फूल, मोदक और गुड़ का नैवेद्य अर्पित करें। इस उपाय से आपको हर कार्य में सिद्धि प्राप्त होगी।

वृष संक्रांति क्या है? क्यों है महत्व? किसकी पूजा जरूरी है? कैसे चढ़ाएं जल?

15 मई 2023 सोमवार को सुबह करीब 11 बजकर 32 मिनट पर वृषभ संक्रांति होगी। वृषभ संक्रांति का दक्षिण भारत में ज्यादा महत्व माना जाता है। वर्ष में 12 संक्रांतियां होती हैं, जिसमें मकर संक्रांति, कर्क संक्रांति, मेष संक्रांति, मिथुन संक्रांति और धनु संक्रांति का ही खास महत्व मानया गया है। आओ जानते हैं कि वृष संक्रांति क्या है, क्या है इसका महत्व, किसकी करें इस दिन पूजा।

क्या है वृषभ संक्रांति

सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने को संक्रांति कहते हैं। वृषभ में प्रवेश करने को वृषभ संक्रांति कहेंगे। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार सूर्य वृषभ राशि में 15 मई 2023 को 11:32 बजे प्रवेश करेंगे, जहां वे 5 जून 2023 की शाम 18:07 बजे तक रहने के बाद मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे।

वृषभ संक्रांति का महत्व

- शास्त्रों में वृषभ संक्रांति को मकर संक्रांति के समान ही माना गया है।
- संस्कृत में वृषभ शब्द का अर्थ बैल है। बैल को नंदी भी कहते हैं जो कि शिवजी का वाहन है।
- शास्त्रों के अनुसार, वृषभ संक्रांति के दिन पूजा, जप, तप और दान करने से अमोघ फल की प्राप्ति होती है।
- इस महीने में प्यासे को पानी पिलाने अथवा घर के बाहर प्याऊ लगाने से व्यक्ति को यज्ञ कराने के समतुल्य पुण्यफल मिलता है।
- वृषभ संक्रांति के दौरान सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में आते हैं और 15 दिनों तक रहते हैं इसमें शुरुआती 9 दिनों तक प्रचंड गर्मी पड़ती है।

वृषभ संक्रांति पर किसकी करें पूजा

- वृषभ संक्रांति के दिन भगवान शिव के ऋषभ रूद्र स्वरूप और भगवान सूर्य की पूजा किए जाने की परंपरा है।
- वृषभ संक्रांति के दिन सूर्य पूजा करने से कुंडली में सूर्य मजबूत होता है। इसलिए सूर्य को अर्घ्य भी देना चाहिए।
- इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सुख और समृद्ध जीवन के साथ ही जातक पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति होकर मोक्ष प्राप्त करता है।

कैसे चढ़ाएं सूर्यदेव और शिवजी को जल

- एक तांबे के लोटे में जल में थोड़ा सा दूध मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करें, शिवजी का मंत्र बोलते हुए।
- सूर्य देव को जल अर्पित करने के लिए प्रात- काल तांबे के लोटे में जल लेकर उसी जल में मिश्री मिलाकर जल अर्पित करें।
- सूर्य को जल धीमे-धीमे इस तरह चढ़ाएं कि जलधारा पैर के पास या आसन पर ना गिरे भूमि पर गिरे।
- जमीन पर जलधारा गिरने से जल में समाहित सूर्य-ऊर्जा धरती में चली जाएगी और सूर्य अर्घ्य का संपूर्ण लाभ आप नहीं पा सकेंगे।
- तत्पश्चात सीधे हाथ की अंजूरी में जल लेकर अपने चारों ओर छिड़कें। अपने स्थान पर ही तीन बार घुम कर परिक्रमा करें।

हनुमानगढ़ी के इतिहास की रोचक बातें

अयोध्या की सरयू नदी के दाहिने तट पर ऊंचे टीले पर स्थित हनुमानगढ़ी सबसे प्राचीन मंदिर माना जाता है। अयोध्या में राम जन्मभूमि के दर्शन करने से पूर्व यहां पर हनुमानजी के ही दर्शन करना होते हैं। आओ जानते हैं इसका संक्षिप्त इतिहास।

- माना जाता है कि लंका विजय करने के बाद हनुमान यहां एक गुफा में रहते थे और राम जन्मभूमि और रामकोट की रक्षा करते थे। इसी कारण इसका नाम हनुमानगढ़ या हनुमान कोट पड़ा। इसे ही हनुमानजी का घर भी कहा गया।
- साहित्यरत्न व साहित्य सुधाकर से विभूषित रायबहादुर लाला सीताराम ने 1933 में अपनी पुस्तक श्रीअवध की झांकी में विस्तार से हनुमानगढ़ी का प्रामाणिक वर्णन किया है। रामनगरी के जीर्णोद्धार के समय महाराजा विक्रमादित्य ने यहां 360 मंदिर बनवाए थे। औरंगजेब के समय इसमें से कई तहस-नहस हो गए।
- तहस-नहस के बाद 17वीं शताब्दी में हनुमानगढ़ी एक टीला के रूप में विद्यामान था। यहीं एक पेड़ के नीचे हनुमानजी की छोटी मूर्ति की पूजा की जाती थी जो आजकर बड़ी मूर्ति के आगे रखी नजर आती है।
- कहते हैं कि अयोध्या के महंत बाबा अभयराम ने नवाब शुजाउद्दौला (1739-1754) के शहजादे की जान बचाई थी। जब वैद्य और हकीम ने हाथ टेक दिए थे तब कहते हैं कि नावाब के मंत्रियों ने अभयरामदास से मिन्नत की थी कि एक बार आकर नवाब के पुत्र को देख लें। फिर बाबा अभयराम ने कुछ मंत्र पढ़कर हनुमानजी के चरणामृत का जल छिड़का था जिसके चलते उनके पुत्र की जान बच गई थी। नवाब ने प्रसन्न होकर बाबा से उस समय कहा कि कुछ मांग लीजिये। तब बाबा ने कहा कि हम तो साधु है हमें क्या चाहिए। हनुमानजी की कृपा से आपका पुत्र ठीक हुआ है यदि आपकी इच्छा हो तो हनुमान गढ़ी बनवा दीजिये। तब नवाब ने इसके लिए 52 बीघा भूमि उपलब्ध करवाई थी। यह भी कहा जाता है कि इस मंदिर के लिए भूमि को अवध के नबाव ने दी थी और लेकिन लगभग दसवीं शताब्दी के मध्य में उनकी रखैल के द्वारा बनवाया गया था। हालांकि कुछ लोग इस घटना को लखनऊ और फैजाबाद के प्रशासक सुल्तान मंसूर अली से भी जोड़कर देखते हैं। लेकिन यह भी कहा जाता है कि 300 साल पूर्व संत अभयारामदास के सहयोग से हनुमान मंदिर का विशाल निर्माण संपन्न हुआ था। संत अभयारामदास निर्वाणी अखाड़ा के शिष्य थे।

हनुमान मंदिर परिचय

हनुमान गढ़ी, वास्तव में एक गुफा मंदिर है। यहां तक पहुंचने के लिए लगभग 76 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। यहां पर स्थापित हनुमानजी की प्रतिमा केवल छः (6) इंच लंबी है, जो हमेशा फूलमालाओं से सुशोभित रहती है। इस मंदिर परिसर के चारों कोनो में परिपत्र गढ़ हैं। मंदिर परिसर में मां अंजनी व बाल (बच्चे) हनुमान की मूर्ति है जिसमें हनुमानजी, अपनी मां अंजनी की गोदी में बालक रूप में लेटे हैं। हनुमानगढ़ी में ही अयोध्या की सबसे ऊंची इमारत भी है जो चारों तरफ से नजर आती है। इस विशाल मंदिर व उसका आवासीय परिसर करीब 52 बीघे में फैला है। वृंदावन, नासिक, उज्जैन, जगन्नाथपुरी समेत देश के कई नगरों में इस मंदिर की संपत्तियां, अखाड़े व बैठक हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्ते को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा - कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

तुलसी माता की करेंगे 5 तरह से सेवा तो प्रसन्न होंगे सभी देव

अधिकतर घरों में तुलसी को पौधा होता है। तुलसी पौथे की देखरेख बहुत ही सावधानी से करना होती है अन्यथा यह पौधा जल्दी ही मुरझाकर खत्म हो जाता है। इसकी देखरेख या सेवा करने के कुछ नियम है उन्हीं में से 5 नियमों को जान लें। इन नियमों का पालन करने से जहां विष्णु, लक्ष्मी प्रसन्न होंगे वहीं सभी देवी और देवता भी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देंगे।

प्रथम सेवा : तुलसी की जड़ों में रविवार और एकादशी को छोड़कर प्रतिदिन उचित मात्रा में जल अर्पण करना चाहिए। अर्थात ना कम और ना ज्यादा। यदि ज्यादा मात्रा में जल अर्पण किया तो पौधा समाप्त हो जाएगा और कम मात्रा में भी। कम फिर भी चल जाएगा परंतु ज्यादा नहीं। वैसे यदि एक दिन छोड़कर भी आप पानी अर्पण करेंगे तो चलेगा। बारिश में तो सप्ताह में दो बार ही डालें। रविवार और एकादशी के दिन तुलसी महारानी ठाकुरजी के लिए व्रत रखती है। वह केवल इन्हीं दो दिनों विश्राम करती और निंद्रा लेती हैं।

द्वितीय सेवा : समय समय पर तुलसी की मंजरियों को तोड़कर तुलसी से अलग करते रहें अन्यथा तुलसी बीमार होकर सूख जाएगी। कहते हैं कि जब तक यह मंजरियां तुलसी माता के शीश पर रहती है तब तक वह घोर कष्ट में रहती है। तुसली पत्ता, दल या मंजरी तोड़ने से पहले तुलसी जी की आज्ञा लेना जरूरी है। रविवार और एकादशी को यह कार्य नहीं करना चाहिए। नाखुनों से तुलसी को नहीं तोड़ना चाहिए।

तीसरी सेवा : वह महिलाएं तुलसी माता से दूर रहें जिन्हें पीरियड चल रहे हैं। यदि वे तुलसी के आसपास भी होंगी तो तुलसी मुरझाकर मर जाएगी। अतः इस बात का विशेष ध्यान रखें।

चौथी सेवा : तुलसी माता के आसपास वस्त्रों को ना सुखाएं। गिले वस्त्रों के आसपास से साबुन की गंध और सफेद किस्म के कीड़े या बैक्टिरिया रहते हैं जिनके कारण तुलसी को भी कीड़े लग सकते हैं। ऐसा अक्सर देखा गया है कि कपड़ों के कारण तुलसी में कीड़े लगे और वह सड़कर, काली पड़कर खतम हो गई।

पांचवां सेवा : तुलसी के पौधे को मौसम की मार से भी बचा कर रखना चाहिए। ज्यादा ठंड या गर्मी से तुलसी समाप्त हो जाती है। इसलिए ठंड में तुलसी माता के आसपास कपड़े या कांच का कवर लगाया जा सकता है। तेज बारिश से भी तुलसी को बचाकर रखें।

संक्षिप्त समाचार

डुंमरडीह में जनसमस्या शिविर का आयोजन किया गया

दुर्ग । मंगलवार को ग्राम पंचायत डूमरडीह में जन समस्या शिविर का आयोजन सरपंच श्रीमती चक्षु प्रभा के निर्देशानुसार रखा गया जिसमे ग्राम के लोगो ने शिविर में अपनी समस्याओं से अवगत कराया । सरपंच द्वारा लोगो की परेशानियों को जाना और उनकी आवेदनों के निराकरण हेतु उचित कार्यवाही करने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया गया। जिससे ग्रामीण लोगो को ग्राम पंचायत में ही सामान्य समस्याओं का समाधान हो सके । शिविर में जनपद से आए करारोपण अधिकारी हिरेंद सर, ग्राम पटवारी यामनी साव मैडम, रोजगार सहायक भागवत दास, पंच गण तथा पंचायत के कर्मचारी उपस्थित हुए।

ग्राम अमेरी में युवा कॉग्रेस की बैठक सपन्न

पाटन। पाटन ब्लाक के ग्राम अमेरी में युवा कांग्रेस की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमे छग की भूपेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ को जन जन तक बताने का निर्णय लिया गया। साथ ही आगामी चुनाव को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अमृत सिंह राजपूत(जिला महासचिव)सुमित चन्द्राकर(अध्यक्ष युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा)योगेश चंद्राकर , संदीप निर्मल(कांग्रेस कार्यकर्ता) ,गोविंद निषाद, बबलू बंजारे ,विकेश टंडन, सुभाष निषाद ,सावंत ,शरद ठाकुर,वैभव यादव,चंद्रिका प्रसाद ,चंद्रशेखर निषाद ,भानु,साहिल यादव ,घनश्याम यादव,कोमल ठाकुर,विमल निषाद ,नीलकंठ नेताम,रतन कुमार,चंद्रशेखर निषाद ,योगेश यादव कामेश यादव ,गौकरण ठाकुर उपस्थित थे।

वीआईपी नगर रिसाली में निशुल्क दंत जांच शिविर सपन्न

रिसाली। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट कोहका द्वारा निषुल्क दन्त जांच शिविर का आयोजन रिसाली निगम के वार्ड 28 वीआईपी नगर के शीतला मन्दिर मे आयोजित किया गया ।पार्षद डॉ सीमा साहू के सयोजन में आयोजित दंत चिकित्सा शिविर में सैकड़ो मरीजो के दांतो का परीक्षण किया गया ।जिसमें डॉ राम तिवारी सहित उनके टीम का सहयोग रहा।

उतई में गृहे -गृहे गायत्री यज्ञ संपन्न हुए

दुर्ग। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में गायत्री शक्तिपीठ उतई कार्य क्षेत्र के अंतर्गत 340 घरों में गृहे -गृहे गायत्री यज्ञ संपन्न हुए। राष्ट्र को समर्थ व शक्तिशाली बनाने के उद्देश्य से गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ कर विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना किए गए ।इसका उद्देश्य जनमानस में वैचारिक परिवर्तन लाकर परिवार, समाज ,देश एवं विश्व का उत्थान करना है। इस पुनीत कार्य को संपन्न कराने में उतई से लोकनाथ साहू ,श्यामलाल वर्मा, गोकरन वर्मा, संतराम चंद्राकर, मुकेश वर्मा ,मोहित यादव, अमर सिंह ठाकुर, मंथराम परिव्राजक, तेजस, तिलक राम ठाकुर, निर्मला साहू पतोरा से बोधन साहू , हरिश्चंद्र, कल्याण, देव चरण ,उहुप राम, चिरपोती से युगल साहू , सियाराम एवं कातरो से सोमनाथ साहू ने भरपूर सहयोग प्रदान किए ?

आत्महत्या करने वाले बीएसपी अफ़सर के साथियों से पुलिस करेगी पूछताछ

पाटन। भिलाई स्टील प्लांट में कार्यरत असिस्टेंट मैनेजर कृष्णकांत वर्मा (राजू) के फांसी मामले में खुलासा हुआ है कि उसने भविष्य में विभागीय काम का अधिक लोड होने का जिक्र किया है। मामले में पुलिस जांच कर रही है। पुलिस अब मृतक के विभाग में काम करने वालों से भी पूछताछ करेगी ।उतई पुलिस ने बताया कि सोमवार को सूचना मिली थी कि ग्राम सेलूद निवासी कर्मी कृष्णकांत वर्मा (राजू) ने अपने सुसाइडल नोट में काम के बोझ का किया जिक्र है ।सेलूद निवास में फांसी लगा ली थी। बीएसपी में नौकरी करने के चलते वह रिसाली में रहता था। सोमवार को अपने मूल निवास सेलूद आ गया। वहां पहुंचते ही उसने अपने छोटे भाई शशिकांत वर्मा पूछताछ करेगी। सेलूद में रहने का मैसेज किया। पुलिस विभाग से मिली सूचना के मुताबिक राजू की जेब से एक चिट्ठी मिली है। जिसमें बीएसपी प्लांट में उनके ऊपर काम का अत्यधिक लोड होना लिखा है । उतई पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए दुर्ग मरच्युरी भेजा और फिर उसे परिजनों के हवाले कर दिया। उसके ऊपर किस तरह का वर्क लोड था।

अतिथि शिक्षकों के पद के लिए 8 जून तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेन्ड्री राजनांदगांव में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए अस्थाई रूप से निश्चित मानदेय पर अध्यापन कार्य हेतु अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था के लिए आवेदन आमंत्रित की गई है। अतिथि शिक्षकों के पद पर भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 8 जून 2023 तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) पिन कोड 491441 में स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी राजनांदगांव जिले की वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है।

हसदा में बनेगा टमेटो सॉस और केचअप, दानीकोकड़ी में बनेगा केले का पाउडर एवं पो से बनेंगे जूट बैग

रीपा में निर्मित किए जा रहे उत्पादों एवं निर्माण कार्यों को देखने ग्राम मोहदी, मुरमुंदा एवं सन्डी पहुंचे - कलेक्टर

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा आज धमधा विकासखंड के ग्राम मोहदी एवं मुरमुंदा में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क योजना के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यो एवं निर्माणाधीन रीपा कार्यो व गौठानों का निरीक्षण किया।

ग्राम मोहदी एवं ग्राम नरधा में रीपा के अंतर्गत निर्मित उत्पादों का किया निरीक्षण- कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने ग्राम मोहदी में गांव के गौठान में संचालित रीपा में महिला समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे ट्यूब लाईट, डेकोरेट लाईट, गार्डन लाईट को देखा। महिला समूहों से चर्चा की और रीपा केन्द्र में चल रहे काम के बारे में जानकारी ली। महिला समूहों ने बताया कि 10 हजार स्केवेयर फीट में बनाया गया यह गौठान, रीपा से जुड़े महिलाओं के आजीविका का साधन है। उनके द्वारा एक दिन में 400 लाईट का निर्माण किया जाता है। उन्होंने बताया कि भविष्य में इमली का कारखाना भी लगाया जाएगा।

ग्राम नरधा पहुंचकर कलेक्टर ने महिला समूहों द्वारा संचालित क्रियाकलापों एवं हो रही आमदनी की जानकारी ली। यहां महिला समूह द्वारा की जा रही मछली पालन, मुर्गी पालन, गाय पालन और वर्मी कम्पोस्ट की सराहना की। कलेक्टर से यहां महिला समूह ने चर्चा के दौरान बताया कि दुध से ढाई लाख की आमदनी की जा चुकी है एवं 47 क्विंटल गोबर बेचा गया है। कलेक्टर ने अधिक से अधिक आमदनी के लिए दुध को निजी डेयरी में विक्रय करने के निर्देश दिए। महिला समूहों ने बताया कि रीपा में एक हजार मुर्गी रखी गई है, जिससे सालाना 70 हजार रूपए का फायदा हो रहा है। साथ ही 5 एकड़ में बाड़ी बनाई गई है। महिला समूहों द्वारा डेढ़ लाख की पत्तागोभी बेची गई है।

कलेक्टर ने पशुओं के लिए निर्माण किए जा रहे चारागाह और बायोफ्लाक की टंकियों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही गौठान समूह को स्थानीय स्तर पर मांग और बाजार को ध्यान में रखते हुए गतिविधियों का संचालन करने कहा।

जल जीवन मिशन की तैयारियों का जायजा लिया- कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के भ्रमण के दौरान ग्राम मुरमुंदा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल कनेक्शन का जायजा लिया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 9000 मीटर पाईप लाइन कनेक्शन बिछाया जाएगा, जिसमें एक करोड़ 29 लाख का व्यय अनुमानित है। ग्रामवासियों ने चर्चा के दौरान बताया कि 442 घरों में नल कनेक्शन दिया गया है, जिससे उनको पानी के लिए बाहर नही जाना पड़ रहा है। मुरमुंदा गांव में 554 घरों में नल कनेक्शन दिया जाएगा।

ग्राम सन्डी गौठान का किया निरीक्षण- कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने ग्राम सन्डी में निर्मित गौठान का निरीक्षण किया। रीपा केन्द्र में वर्मी खाद, केचुआ उत्पादन, बाड़ी, चप्पल निर्माण, मुर्गीपालन, हेचरी यूनिट, मछली पालन, सिलाई कार्य प्रशिक्षण एवं मसाला निर्माण का कार्य किया जा रहा है। महिला समूहों ने बताया कि वर्मी खाद से 5 लाख, केचुआ उत्पादन से 10 हजार, बाड़ी से 3 लाख 70 हजार, चप्पल निर्माण से 2 लाख, मुर्गीपालन से 2 लाख 21 हजार, हेचरी यूनिट से एक लाख 20 हजार और मसाला से एक लाख 30 हजार की आमदनी की जाती है। उन्होंने बताया कि आगे चलकर पशुपालन का कार्य भी किया जाएगा।

आश्रमों-छात्रावासों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों एवं अन्य विभागों को रीपा द्वारा उत्पादित कार्यालयीन सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। ताकि शासन की महत्वाकांक्षी योजना का सफल क्रियान्वयन होने के साथ ही ग्रामीण युवाओं, उद्यमियों एवं स्व सहायता समूहों की महिलाओं की आय सुनिश्चित हो सके। सभी रीपा केन्द्रों में शत-प्रतिशत गतिविधियां प्रारंभ करने और उत्पादित सामग्री की ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग कर विक्रय करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने रीपा कार्यक्रम के लिए चिन्हित भूमि की फेसिंग और सुरक्षा के उपाय करने कहा।

ग्राम पुरदा में बनेगा केले के चिप्स- ग्राम पुरदा में रीपा के अंतर्गत केला चिप्स, केला पाउडर, कुकिस, पैनकेक एवं केले के पत्ते का पत्तल व उसके रेशे से जूट बैग एवं ग्रीन मैन्यूर खाद बनाया जाएगा। पुरदा में गौठान समूह से जुड़कर रीपा योजना के अंतर्गत 35 लोगों को रोजगार मिल रहा है।

ईडी के अधिकारी सही है या ईडी का मीडिया सेल- देवेन्द्र यादव

- **जब मेरे वकील रायपुर ऑफिस गए तो वहां के अधिकारी ने बताया की कोई भी कार्यवाही नही हुई है, जब भी कोई संपति कुर्क होती है तो, क्स्रू0 2002 के तहत सेक्शन 5 की नोटिस जारी होती है बिना नोटिस के कार्यवाही कैसे करे**
- **वृद्ध माँ को बेवजह परेशान कर रही ईडी, नोटिस देकर ऑफिस बुला रही**
- **मेरे पास जो संपति है 2015 और 2018 के चुनावी हल्पनामा में मैंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है**

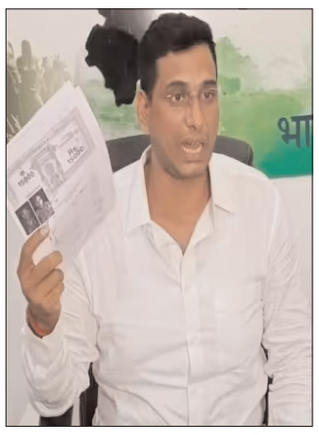

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने मंगलवार को अपने निवास में प्रेसवार्ता लिया। प्रेसवार्ता में उन्होंने ईडी की मनमानी कार्रवाई के बारे में बात की। उन्होंने कहाँ की ईडी अपने पद और पावर का दुरुपयोग कर परेशान कर रहे है बिना किसी सूचना के बिना कोई सबूत के कार्रवाई कर रहे है। ईडी हम लोगों

को बेवजह परेशान कर रही है। ईडी अब मेरी माँ को बेवज़ह परेशान कर कर रही है और उन्हें बुलाया जा रहा है जबकि उनका कोई लेनादेना ही नहीं है। जब इस विषय मे मेरे वकील ने ईडी के अधिकारियों से बात की तो उनका कहना है कि कोई भी कार्यवाही के पहले नोटिस दिया जाएगा। आगे विधायक देवेंद्र ने कहा कि मेरे घर में छापा और जांच की लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। अब तक ईडी कुछ भी साबित नहीं कर पाया है। सूचना आज तक नहीं दिए। सबसे पहले तो ईडी यह बताएं कि ईडी के अधिकारी सही है या उनका मीडिया सेल। जब ईडी से मेरे वकील ने बात की तो ईडी के अधिकारियों ने बताया कि कुछ भी नहीं मिला है और और कोई कार्यवाही नही हुई है जब भी कोई संपत्ति कुर्क होती है तो, PMLA 2002 के तहत सेक्शन 5 की नोटिस जारी होती है बिना नोटिस के कार्यवाही कैसे मुमकिन है ईडी की ही मीडिया सेल अलग ही बात कर रही है। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि सिर्फ यहीं नहीं मेरी वृद्ध माँ को भी ईडी परेशान कर रही है। उन्हें भी पूछताछ के लिए बुला रही है।

मैने मां के साथ ऑफिस आकर पूछताछ में सहयोग की बात कही है जब हमने कहाँ की उनके बदले में आ जाता हूं तो भी वे मनमानी कर रहे है।

मैंने श्रष्ठ से ट्वीट करके जानकारी मांगी है- मैंने स्पष्ट रूप से अपने ट्विटर हैंडल से जवाब मांगा है की मेरी कितनी संपत्ति कुर्क की है, मेरी कौन सी संपत्ति अटैच की है, जब मेरे वकील को कोई जानकारी नहीं दी गई है, अब तक कोई जानकारी श्रष्ठ द्वारा नही दिया गया है ।। जो श्रष्ठ सार्वजनिक करे की 56 करोड़ अटैच हुए है उसमे मेरी कितने राशि के और मेरे कौन सी संपत्ति है ।

बीएसपी में पीसीबी कचरे के निपटारे के लिए स्थापित सुविधा की जिनेवा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सराहना की गई

भिलाई, 10 मई (आरएनएस)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) और संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) के साथ मिलकर में भिलाई इस्पात संयंत्र में पॉली क्लोरो बाय-फिनाइल्स (पीसीबी) और पीसीबी दूषित कचरे के निपटान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजना लागू की है। पीसीबी से निकलने वाले कचरे को स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (पीओपी) के रूप में घोषित किया गया है और स्टॉकहोम कन्वेंशन के अनुसार अत्यधिक कार्सिनोजेनिक माना जाता है। बीएसपी में स्थापित पीसीबी प्लांट वर्तमान में सेल की विभिन्न इकाइयों में उपलब्ध सभी पीसीबी कचरे के पर्यावरण के अनुकूल निपटान में मदद करेगा। साथ ही पूरे देश में फैले विभिन्न विद्युत प्रतिष्ठानों में संग्रहीत पीसीबी कचरे के निपटान में भी मदद करेगा। 2025 तक उपकरणों में पीसीबी के उपयोग के उन्मूलन से

संबंधित आगामी समय सीमा को पूरा करने के लिए कार्रवाई में तेजी लाने के लिए तत्काल जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिनेवा में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भिलाई इस्पात संयंत्र में स्थापित सुविधा का एक प्रोटोटाइप मॉडल की बहुत सराहना की गई। स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों पर स्टॉकहोम कन्वेंशन के तहत पीसीबी युक्त तरल पदार्थों और पीसीबी से दूषित उपकरणों का पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन 2028 तक सुनिष्चित करना है। स्टॉकहोम कन्वेंषन के अनुरूप पीसीबीज़ के प्रबंधन की यह परियोजना देष में अपनी तरह की पहली परियोजना है। इस परियोजना के फलस्वरूप सेल और भारतीय उद्योग में पीओपीज़ के बचाव हेतु स्टॉकहोम कन्वेंषन को लागू करने में मदद मिलेगी। बेसल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम कन्वेंशन के सचिवालय ने जिनेवा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (सीआईसीजी), जिनेवा, स्विटजरलैंड में 3 से 5 मई 2023

छत्तीसगढ़ के टॉपटेन में दुर्ग के सानिया ने पाया 7 वां स्थान, 10वीं एवं 12 वीं की परीक्षा में बेटियों ने लहराया परचम : वोरा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी 10 वीं व 12 वीं की परीक्षा के मेरिट सूची में छात्राएं रही आगे। जारी रिजल्ट के अनुसार हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2023 में 75.05 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण रहे। जिसमें बालिकाओं का प्रतिशत 79.16 तथा बालको का प्रतिशत 70.26 रहा व हाई सेकेण्डरी परीक्षा में 79.95 परीक्षार्थी उत्तीर्ण रहे। जिसमें बालिकाओं का प्रतिशत 83.64 है। शहर के आदर्श कन्या शाला स्कूल की छात्रा सानिया मरकाम ने उपलब्धियों का बड़ा आसमान छू लिया है। दसवीं कक्षा की छात्रा सानिया ने कुल 97.33 अंक हासिल कर मेरिट सूची में सातवां स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा ने सानिया के घर पहुंचकर शहर की प्रतिभाशाली बेटी का सम्मान किया। शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति से संभव किया जा सकता है। आर्थिक अभाव से जूझते हुए भी दसवीं बोर्ड की परीक्षा में मेरिट सूची में टॉपटेन में सातवें स्थान पर आकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सानिया के सपने को पूरा करने राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग मिलेगा। उसकी उपलब्धि न सिर्फदुर्ग शहर, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण है। पोलसाय पारा बस्ती में छोटे से मकान में रहने वाली के पिता कबाड़ का कार्य करते हैं। कमजोर आर्थिक स्थिति के बावजूद बुलंद हौसले के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। बड़ी होकर शहर की यह नन्ही प्रतिभा कलेक्टर बनना चाहती है। साथ ही स्वामी आत्मानंद स्कूल दीपक नगर की कु. गुरप्रीत कौर सोनी पटरीपार मुखर्जी नगर दुर्ग निवासी ने स्कूल में कक्षा 12 वीं में प्रथम स्थान पर रही। वोरा ने शहर के सभी 10 वीं एवं 12 वीं कक्षा के सफल परीक्षार्थी एवं उनके अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

संयंत्र के सीएसआर विभाग का कशीदाकारी प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग के तत्वाधान में नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु रायपुर नाका के स्लम बस्ती वार्ड क्रमांक 47 में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की सहायता से 25 महिलाओं के लिए कशीदाकारी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आत्मनिर्भरता के साथ साथ महिलाओं का पारिवारिक आर्थिक सहयोग में सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना था। यह प्रशिक्षण 3 महीने तक प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में सभी महिलाओं को 3000 रुपये प्रतिमाह की दर से मानदेय भी प्रदान किया गया। इस शिविर का शुभारंभ 4 फरवरी 2023 को तथा समापन 3 मई 2023 को हुआ। जिसका समापन समारोह 6 मई 2023 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (विपणन) श्रीमती सुष्मिता डे उपस्थित थी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन नायर ने की। इसके अलावा कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक(सीएसआर) श्री सुशील कामड़े, प्रबंधक (छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड) श्री सी ए केहरी, पार्षद श्रीमती कविता तांडी, समाजसेवी डॉ देव नारायण तांडी, श्री बुधेलाल, श्री शरद साहू, श्री नीतीश आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रजनी रजक द्वारा किया गया। इस शिविर में महिलाओं को प्रशिक्षण देने हेतु प्रशिक्षक श्रीमती निशा गोयल का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षण में लगने वाले उपकरण और कच्चे माल की आपूर्ति छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण हेतु शहरी क्षेत्र के चुनाव करने का कारण ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में कढ़ाई के प्रति अधिक रुझान है। इस शिविर में लगभग 10-12 तरह के विभिन्न कढ़ाई जैसे जरदोजी, गोटापट्टी, मिरर, फुलकारी, चिकनकारी, कांथा, कसूती आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के समापन पर कुछ महिलाओं ने बताया कि वे इस कौशल विकास से लाभान्वित हुई हैं और ये प्रशिक्षण निश्चित रूप से उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव की तैयारी के दृष्टिकोण से भारतीय जनता पार्टी की गतिविधियां तेज करने के उद्देश्य से

जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में किया उतई मंडल भाजपा कार्यालय का शुभारंभ

दुर्ग ग्रामीण। आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव की तैयारी के दृष्टिकोण से भारतीय जनता पार्टी की गतिविधियां तेज करने के उद्देश्य से भाजपा उतई मंडल के नवीन कार्यालय का उदघाटन भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा के द्वारा किया गया।

कार्यालय उदघाटन के अवसर पर जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि चुनावी समर अब बिल्कुल नजदीक है, कार्यकर्ताओं की गतिविधियां बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर मंडल में कार्यालय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, बेहद खुशी की बात है कि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से उतई मंडल भाजपा कार्यालय का विधिवत उदघाटन हो रहा है। उतई का कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों और सक्रियता का केंद्र बनेगा जहां कार्यकर्ता मिलजुल कर और बैठ कर पार्टी की गतिविधियों को संचालित कर सकेंगे। कार्यालय के अभाव में पार्टी के व्यवस्थित संचालन में गतिरोध आता है जोकि उतई मंडल में अब दूर हो चुका है।

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के प्रभारी गौरीशंकर श्रीवास ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता लगातार पार्टी के कार्यक्रम और कांग्रेस पार्टी की कारगुजारी को लेकर लगातार सक्रिय हैं और एक स्थान जहां पर बैठकर पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी अपनी रणनीति तय कर सकें इस उद्देश्य को

लेकर इस कार्यालय की स्थापना की गई है, पार्टी कार्यकर्ता एक नई ऊर्जा के साथ उचित स्थान पर बैठकर आपसी विचार विमर्श के साथ-साथ गतिविधियों को अंजाम देंगे। इस दौरान प्रमुख रुप से दुर्ग ग्रामीण विधानसभा प्रभारी गौरीशंकर श्रीवास, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमति रमशिला साहू, पूर्व मंत्री जागेश्वर साहू, जिला उपाध्यक्ष दिलीप साहू, जिला महामंत्री ललित चंद्राकर, सुरेंद्र कौशिक, जिला मंत्री रोहित साहू, आशीष निंमजे, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माया बेलचंदन, मंडल सह प्रभारी डॉ देवनारायण तांडी, मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा, महामंत्री सोनू राजपूत एवं पुकेश चंद्राकर, वरिष्ठ भाजपा नेता रूप नारायण शर्मा, वीरेंद्र साहू, दिव्या कलिहारी, गायत्री वर्मा, जयश्री राजपूत, शीतला ठाकुर, चंदू देवांगन, लक्ष्मी नारायण साहू, रामकृष्ण साहू, मनोहर देवांगन, मुकेश बेलचंदन, विमला कामड़, कुमार साहू, दूर्गा सेन, लता सोनवानी, हेमलता साहू, मननी राजपूत, प्रमिला साहू, वामन साहू , अनिल साहू, मोहन साहू, राधे लाल साहू,गिरीश शर्मा, प्रवीण यदु, फलेंद्र राजपूत, संतोष साहू, अश्विनी वर्मा, माधो लाल साहू, ईश्वर अंगारे, गब्बर साहू, देवेन्द्र भारती,वैभव देवांगन, करन सेन, पूनम चंद सफ्हा , रूपेश पारख , नरेंद्र साहू, , अजय चंद्राकर, नवीन सिन्हा, रितु पिपरिया , द्रोण साहू , जसलोक साहू सहित मंडल पदाधिकारी शक्ति केंद्र प्रभारी संयोजक सहसंयोजक सहित मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

उतई में गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ संपन्न

दुर्ग। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में गायत्री शक्तिपीठ उतई कार्य क्षेत्र के अंतर्गत 340 घरों में गृहे –गृहे गायत्री यज्ञ संपन्न हुआ। राष्ट्र को समर्थ व शक्तिशाली बनाने के उद्देश्य से गृहे- गृहे गायत्री यज्ञ कर विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना किए गए। इसका उद्देश्य जनमानस में वैचारिक परिवर्तन लाकर परिवार, समाज ,देश एवं विश्व का उत्थान करना है। इस कार्य को संपन्न कराने में उतई से लोकनाथ साहू ,श्यामलाल वर्मा, गोकरन वर्मा, संतराम चंद्राकर, मुकेश वर्मा ,मोहित यादव, अमर सिंह ठाकुर, मंथराम परिव्राजक, तेजस, तिलक राम ठाकुर, निर्मला साहू पतोरा से बोधन साहू , हरिश्चंद्र, कल्याण, देव चरण ,उहुप राम, चिरपोती से युगल साहू , सियाराम एवं कातरो से सोमनाथ साहू का सहयोग रहा।

गुंडरदेही लाक में बोर खनन के लिए भूमि पूजन किया गया

अंडा। कांकेर लोक सभा क्षेत्र के सांसद मोहन मंडावी के अनुशंसा पर जनपद पंचायत गुण्डरदेही अन्तर्गत ग्राम पंचायत पसौद, गुरेदा, साजा, देवरी (ख) में बोर खनन के लिए सांसद प्रतिनिधि थानसिंह मंडावी ने भूमि पूजन किया। ग्रामीणों की मांग पर पेय जल समस्या को देखते हुए सांसद को अवगत कराया गया जिस पर सांसद मोहन मंडावी ने अनुशंसा कर स्वास्थ यांत्रिकी विभाग बालोद को निर्देशित किया जिस पर तत्काल बोर खनन के लिए स्वीकृति प्रदान की। भूमि पूजन के अवसर पर सरपंच खिलेंद्र साहू , भूपेन्द्र निषाद, सरपंच जीवन लाल साहू, कमलेश पांडे, सरपंच रोहित निर्मलकर, पूनम साहू, चिंतामणि देशमुख, चूरामन यादव, पारख साहू, जगन निषाद, किरण साहू, सुखदेव साहू, सुरेश सारथी, राजू साहू, डोगेश्वर देशमुख, टोमेश साहू, संतोष निषाद, लोकेंद्र साहू, ठामन विश्वकर्मा सहित ग्रामवासी उपस्थित थे एवम् सांसद मोहन मंडावी को धन्यवाद दिया ।

आईएनआईएफडी भिलाई की छात्रा गीत बनी लासिक मिसेज इंडिया इंटरनेशनल

दुर्ग। भिलाई नगर की छात्रा गीत सोन, गोवा में हुए मिस और मिसेज इंडिया 2023 ब्यूटी पेजेंट कांटेस्ट का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में भिलाई की आईएनआईएफडी की छात्रा गीत सोन ने क्लासिक मिसेस इंडिया इंटरनेशनल का ताज जीत कर भिलाई का परचम लहराया, इस दौरान मशहूर मॉडल एवं मिस्टर वर्ल्ड रोहित खंडेलवाल ने गीत को ताज पहनाकर सभी जजो ने विजेता घोषित किया, गीत का चयन मिसेज छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता के विजेता होने के आधार पर ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए किया गया था। इस तरह के आयोजनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने की अभिलाषा गीत ने जताई है।

बीएसपी ने किया ग्राम ढाबा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा बुधवार दिनांक 10 मई 2023 को ग्राम ढाबा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। षिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक श्रीमती डॉ ईशा कुजुर, फार्मासिस्ट श्री खिलावन कुंभकार, ब्लड एवम बीपी परीक्षण हेतु श्रीमती रेखा देव एवम पंजीयन हेतु श्री शम्भू तथा विभाग की ओर से सीएसआर सहायक श्रीमती सीता सिंह उपस्थित थी। इस शिविर में कुल 30 मरीजों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया जिनमें 9 पुरुष, 19 महिला और 02 बच्चे शामिल रहे।

देवादा में युवा कांग्रेस की बैठक सपन्न

पाटन। पाटन ब्लाक के ग्राम देवादा में भारतीय युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा की बैठक आयोजित की गई। जिसमे छत्तीसगढ़ के भूपेश सरकार की जनहितकारी नीतियों, कार्यो, व योजनाओ के बारे में युवा साथियो संवाद कर परिचर्चा किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ में होने वाले आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव में पुनः मुख्यमंत्री को मजबूत करने के लिए हर ग्राम व बूथों में युवाओं को मुख्यमंत्री से जोड़ने व आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में चर्चा की गई। वर्तमान में देश मे निर्मित परिस्थितियों, अशिक्षा, बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, निजीकरण, भय, भूख, गरीबी, भुखमरी, व देश बढ़ रहे सम्प्रदायिकता परिस्थितियों की समीक्षा के साथ, युवाओं से विशेष चर्चा कर आगामी रूपरेखा तैयार किया गया।इस बैठक में प्रमुख रूप से महेंद्र वर्मा (अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी पाटन विधानसभा) देवेंद्र चंद्रवंशी (जनपद उपाध्यक्ष पाटन) सुमित चन्द्राकर (अध्यक्ष युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा) योगेश चन्द्राकर , विजय वर्मा ,सचिन चेलक,समीर वर्मा, ईश्वर यादव, सागर साहू, मानस साहू, प्रतीक साहू,निखिल विश्कर्मा, हिमेश साहू, जसवंत महिलांगे, रूपेश दास, आकाश वर्मा, दीपेश साहू, ओमप्रकाश यादव, चित्रागंत निर्मल, हितेश साहू, दिव्यांश निर्मल, दुष्यन्त साहू, प्रकाश, भोलेश्वर, प्रीतम पाटिल,अन्य युवा साथी गण मौजूद रहे।

अवैध निर्माण के नियमितीकरण के कार्यों में धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, नगरीय निकाय के संचालित कार्यों पर की समीक्षा, निर्माण कार्यों की पूर्णता में लाए तेजी

संभागायुक्त ने नगर निगम कमिश्नर की ली बैठक

दुर्ग। संभागायुक्त, दुर्ग संभाग महादेव कावरे द्वारा बुधवार को नगरीय प्रशासन विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा हेतु संभाग अन्तर्गत समस्त नगर निगम के आयुक्तों की बैठक ली गई। जिसमें रोहित व्यास आयुक्त नगर निगम भिलाई, लोकेश चन्द्राकर आयुक्त नगर निगम दुर्ग, लोकेश्वर साहू संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन विभाग दुर्ग संभाग, अभिषेक गुप्ता आयुक्त नगर निगम राजनांदगांव, अजय त्रिपाठी आयुक्त नगर निगम भिलाई चरौदा, आशीष देवांगन आयुक्त नगर निगम रिसाली उपस्थित थे।

अवैध निर्माण के नियमितीकरण की कार्यवाही में लायें तेजी – संभागायुक्त श्री कावरे ने अवैध निर्माण के नियमितीकरण की समीक्षा की जिस दौरान अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि नगर निगम भिलाई अन्तर्गत वर्तमान में 1788 आवेदन, नगर निगम दुर्ग में 362 आवेदन, निगम भिलाई चरौदा अन्तर्गत 266 आवेदन, निगम रिसाली अन्तर्गत 92 आवेदनों पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, जिस पर संभागायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की एवं निर्देशित किया कि जिला स्तरीय समिति की बैठक कम से कम समयांतराल में आयोजित करे साथ ही समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमितीकरण हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाने की निर्धारित तिथि 30 जून 2023 है, इस हेतु पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जावे। संभागायुक्त ने आगामी बैठकों में नगर तथा ग्राम निवेश के अधिकारियों को भी उपस्थित होने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत निगम भिलाई चरौदा अन्तर्गत 2563 आवास के प्रगतिरत होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ ही निगम दुर्ग अन्तर्गत प्रगतिरत 537 आवास, भिलाई अन्तर्गत 741 आवास, निगम रिसाली अन्तर्गत 46 प्रगतिरत आवासो को पूर्ण करने के निर्देश दिए साथ ही जिस आवेदन पर जिओ टैगिंग की कार्यवाही लंबित है उसे पूर्ण करने हेतु भी निर्देशित किया।

गोधन न्याय योजना के तहत स्व सहायता समूह को समय पर करे राशि का वितरण– संभागायुक्त श्री कावरे ने गोधन न्याय योजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोबर खरीदी उपरांत उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट के विक्रय में तेजी लाए साथ ही स्व सहायता समूहो को लाभांश का वितरण निर्धारित समयावधि में किए जाने के निर्देश दिए।

योजनाओं का करे प्रचार-प्रसार – संभागायुक्त ने श्री धन्वन्तरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस योजना के तहत दुर्ग निगम में 2 स्टोर, भिलाई निगम में 6 स्टोर, रिसाली में 2 स्टोर एवं भिलाई चरौदा एवं राजनांदगांव में 2-2 स्टोर संचालित है, जिसका लाभ आम जनमानस द्वारा लिया जा रहा है, योजना के तहत लगभग 55 प्रतिशत छूट पर जेनेरिक दवाईयां प्रदान की जा रही है।

निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त द्वारा प्रगतिरत कार्यों को निश्चित समयावधि में पूर्ण करने साथ ही अप्रारंभ कार्यों में तत्काल निविदा की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए कार्य प्रारंभ करने व गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

श्री कावरे ने शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे धन्वंतरी योजना, मितान योजना, एवं हितग्राही मूलक योजनाओं को शहरी क्षेत्रो में डिजिटल बोर्ड एवं होर्डिंग बोर्ड के माध्यम से प्रचार-प्रसार किए जाने के निर्देश दिए।

शराब घोटाले के विरोध में भाजपाईयों ने धरना देकर सीएम से मांगा इस्तीफा

दुर्ग। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में 2 हजार करोड़ का शराब घोटाला होने का आरोप लगाया है। जिसके विरोध में प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को दुर्ग के हिंदी भवन के सामने नेताओं व कार्यकर्ताओं ने धरना देकर राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया गया। धरना में राज्य सरकार के संरक्षण में हुए 2000 करोड के शराब घोटाले को लेकर भाजपा नेताओं द्वारा कड़ी भर्त्सना की गई और भूपेश बघेल सरकार की इस्तीफे की मांग की गई। धरना में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशिला साहू, जागेश्वर साहू, जिला महामंत्री ललित चंद्राकर सुरेंद्र कौशिक, पूर्व विधायक दयाराम साहू,वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष अहिवारा नटवर ताम्रकार विशेष रुप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ शर्मसार है। कांग्रेस की सरकार ने जनता से शराबबंदी का वादा कर जनादेश लिया था। आज उस शराब में जिस तरह के घोटाले सामने आयें हैं, एंसा समूचे भारत में दो-चार ही उदाहरण हैं। ईडी के अनुसार घोटाले की इस रकम में से अपना कमीशन रख कर अनवर ढेबर शेष राशि 'पॉलिटिकल मास्टर को सुपुर्द कर दिया करता था।और उस राशि से 'राजनीतिक गतिविधियां' संचालित होती थी। इस खुलासे से जो तथ्य मिले हैं, वह हमें न केवल शर्मिंदा करता है बल्कि सोचने पर विवश करता है कि क्या कोई चुनी हुई सरकार इस बेदर्दी से अपने ही मतदाता को लूट सकती है, उसके भरोसे को भी तार-तार कर सकती है। धरना को भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित कर राज्य सरकार को जमकर कोसा। धरना-प्रदर्शन में भाजपा नेता दिलीप साहू, विनायक नातू, के.एस. चौहान, श्रीमती अलका बाघमार, जिला मंत्री पवन शर्मा, बोधन यादव, आशीष निमजे, श्रीमती अमिता बंजारे, रोहित साहू, जिला सह कोषाध्यक्ष नीलेश अग्रवाल, जिला कार्यालय मंत्री मनोज सोनी, जिला सह कार्यालय मंत्री मदन वाढ़ई, जिला प्रवक्ता दिनेश देवांगन, जिला मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, जीत हेमचंद यादव, रुपेश्वरी साहू, अहिल्या यादव रेखा यादव, नीतू श्रीवास्तव, गायत्री वर्मा, जयश्री राजपूत, अजय वर्मा, डॉ देवनारायण तांडी, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रीतपाल बेलचंदन आदि।

कलेक्टर ने किया नर्रा में उद्यानिकी विभाग की योजना से लाभान्वित कृषक के उद्यान का अवलोकन

फ्लोद्यान एवं समन्वित खेती से कृषक हुआ आत्मनिर्भर

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा आज बालोद विकासखंड के ग्राम धरमपूरा में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेने कृषक गुलाब दिल्लीवार के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया। इस दौरान कलेक्टर शर्मा ने कृषक गुलाब दिल्लीवार से प्रक्षेत्र में लगाए गए फसल के संबंध में चर्चा की। कृषक गुलाब दिल्लीवार ने बताया कि उन्होंने अपने फ्लोद्यान में दशहरी, लंगड़ा, मल्लिका और सिंदूरी आदि आम के पौधों का रोपण किया है। उन्होंने बताया कि वे राज्य शासन के उद्यानिकी विभाग के योजनाओं से प्रभावित होकर 05 एकड़ भूमि में आम के पौधों का रोपण किए थे, इन आम के पेडों से वर्ष 2022 से फल लगना शुरू हो गया है। इसके पूर्व उन्होंने लगातार 05 वर्षो तक अंतरवर्तीय फसल के रूप में सब्जी एवं मसाला फसलों का उत्पादन किया है। उन्होंने बताया कि अंतरवर्तीय फसल से उसे 01 लाख 70 हजार एवं मुख्य फसल आम से विगत 02 वर्षो में 02 लाख 50 हजार आय प्राप्त हुई है। उसके प्रक्षेत्र में आम के अलावा कटहल और नीबू के पौधों का भी रोपण किया गया है। कलेक्टर शर्मा ने कृषक द्वारा प्रक्षेत्र में किये जा रहे बकरीपालन एवं मुर्गीपालन के कार्य का भी अवलोकन किया। इस दौरान शर्मा ने मौके पर उपस्थित नर्रा के समीपस्थ ग्राम मटिया, साल्हेटोला एवं सेमरकोना के कृषकों से बातचीत कर खेती-किसानी के कार्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ग्राम सेमरकोना के कृषक कृष्ण कुमार वर्मा एवं अन्य कृषकों से बातचीत कर उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने कृषकों को उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया। शर्मा ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत कृषकों को अधिक से अधिक लाभान्वित करें। इस अवसर पर सहायक संचालक उद्यान विमल कुमार गौतम, पशु चिकित्सक डॉ. अभिषेक मिश्रा, उद्यान अधीक्षक झलमला सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

तहसील सतनामी समाज पाटन का आम चुनाव 4 जून को

पाटन। तहसील सतनामी समाज पाटन के निवर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्ति पर नवीन कार्यकारणी के चुनाव हेतु चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई।तहसील सतनामी समाज पाटन के निवर्तमान अध्यक्ष सोहन बघेल की अध्यक्षता में बैठक रखा गया। जिसमे सर्वसम्मति से तहसील सतनामी समाज पाटन का आम चुनाव 4 जून मतदान कराने का निर्णय लिया गया। विस्तृत चुनाव कार्यक्रम का प्रस्ताव बैठक में लिया गया। जिसके अंतर्गत ग्रामीण इकाई को स्थानीय सतनामी समाज के गठन का प्रपत्र 13 मई तक जमा किया जा सकेगा। 13मई के बाद आने वाले प्रपत्र को चुनाव हेतु मान्य नहीं किया जाएगा।ग्रामीण इकाई स्थानीय सतनामी समाज का गठन का प्रपत्र जिस गांव का नहीं आएगा उनको चुनाव प्रक्रिया मतदान व चुनाव लडने की पात्रता नही होगी। तहसील स्तनामी समाज के नियमानुसार कम से कम एक चौथाई लगभग 75 इकाई आने पर चुनाव करवाने का प्रस्ताव लिया गया। तहसील सतनामी समाज पाटन की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 15 मई को सतनाम भवन पाटन में किया जाएगा। मतदाता सूची में दावा आपत्ति 17 मई को किया जा सकेगा। जिसका निराकरण 19 मई को किया जाएगा। चुनाव हेतु नामांकन 21 मई व 22 मई को जमा किया जाए जो निर्धारित प्रपत्र व नामांकन शुल्क के साथ जमा किया जा सकेगा। नामांकन शुल्क किसी भी स्थिति में वापसी योग्य नहीं होगी। 24 मई को नामांकन फार्म की स्कुटनी पश्चात व पात्र अभ्यर्थी की सूची चस्पा की जायेगी। 25 मई को दावा आपत्ति व निराकरण किया जाएगा।नामांकन फार्म वापसी 26 मई को लिया जा सकेगा। 27 मई को अभयर्थियों को चुनाव चिन्ह आबंटित किया जाएगा। 4 जून दिन रविवार को आवश्यकता पडने पर मतदान दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश

मोहला। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी एस जयवर्धन ने जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की बैठक ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार उपस्थित रहे। कलेक्टर जयवर्धन ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित क्षतिपूर्ति प्रकरणों के संबंध में कार्यवाही हेतु समन्वय बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया। कलेक्टर ने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अंबागढ़ चौकी नगर पंचायत के पार्षद उप निर्वाचन के संबंध में जानकारी ली। पार्षद उप निर्वाचन के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के निर्देश तहसीलदार, एसडीओ और थाना प्रभारी को दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय जमीन में अतिक्रमण की शिकायत मिल रही है। शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा करने से सार्वजनिक महत्व के कार्य बाधित होते हैं। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को अतिक्रमण की कार्यवाही करने से पहले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सूचित करने के निर्देश दिए। जिससे पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की ड्यूटी लगाई जा सके। उन्होंने शहर के चौक-चौराहों में पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को शाम के समय लगातार भ्रमण करने के निर्देश दिए। जिले में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के आपसी समन्वय से लगातार अच्छा कार्य किया जा रहा है। जिसकी कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सराहना की।

कलेक्टर जयवर्धन ने निर्माणाधीन नेशनल हाइवे के कार्य को शीघ्र पूरा कराने के लिए उच्च अधिकारियों के साथ पत्र व्यवहार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिले में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए ऐसे चिन्हांकित दुर्घटनाजन्य स्थल में स्पीड ब्रेकर, दिशा सूचक बोर्ड लगाने कहा। उन्होंने जिले के स्टेट हाईवे अंबागढ़ चौकी से मानपुर रोड में स्पीड ब्रेकर, दिशा सूचक बोर्ड लगाने लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी को निर्देश दिए।

सेल-बीएसपी ने निर्माण क्षेत्र के ग्राहकों के लिए टीएमटी बार के नए ग्रेड विकसित किए

भिलाई। ग्राहकों की मांगों के अनुसार उपयुक्त विनिर्देशों और रसायन के साथ उत्पादों के अनुकूलित ग्रेड विकसित करना सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए हमेशा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। ये नए ग्रेड न केवल ग्राहकों की मांगों को पूरा करते हैं और विभिन्न परियोजनाओं में तथा नए-नए अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होते हैं बल्कि मूल्य वर्धित ग्रेड के विकास और आपूर्ति से शुद्ध बिक्री लाभ की प्राप्ति भी अधिक होती है।

उत्पादों के नए ग्रेड प्लांट के गुणवत्ता विभाग, स्टील मेल्टिंग शॉप और संबंधित रोलिंग मिल की क्रॉस-फंक्शनल टीमों द्वारा विकसित किया जाता है। संयंत्र द्वारा टीएमटी बार के तीन नए ग्रेड भी एसएमएस-3 तथा बार एंड राड मिल रूट के माध्यम से विकसित किए गए हैं जिसे भारत के तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचे और निर्माण क्षेत्र में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए मैसर्स एलएंडटी और मैसर्स एफक्रॉन्स को आपूर्ति की गई है। एसएमएस 3- बार एंड राड मिल (बीआरएम) रूट के माध्यम से आईएस 1786 एफई550डी सेल सेक्योर ग्रेड के टीएमटी बार्स 8, 10, 12, 16 और 20 मिलीमीटर के व्यास में विकसित किए गए हैं। ज्ञात हो कि सेल सेक्योर ग्रेड को निजी मकान निर्माण हेतु खुदरा (रिटेल) ग्राहकों को भी विक्रय किया जाता है। उच्च शक्ति और तन्यता गुणों से युक्त इस ग्रेड के लगभग 1,65,000 टन मैसर्स एलएंडटी, मैसर्स एफक्रॉन्स सहित खुदरा (रिटेल) ग्राहकों को आपूर्ति की जा चुकी है।

एसएमएस 3-बीआरएम रूट के माध्यम से विकसित एक अन्य ग्रेड आईएस 1786 एफई 500डी-एचसीआर टीएमटी री-बार्स है जिसे 16 मिलीमीटर के व्यास में विकसित किया गया है। यह उच्च जंगरोधी गुणों के साथ निर्माण उद्योग में ऐसे संरचनाओं के उपयोग हेतु उपयुक्त है जिसमें जंग लगने की संभावना बनी रहती हैं। इस ग्रेड के लगभग 7000 टन अब तक मैसर्स एलएंडटी और मैसर्स एफक्रॉन्स आदि जैसे ग्राहकों को आपूर्ति की जा चुकी है।

एसएमएस 3-बीआरएम रूट के माध्यम से एक और ग्रेड 8 मिलीमीटर व्यास में आईएस 1786 एफई 500डी टीएमटी री-बार्स विकसित किया गया है। बीएसपी द्वारा पहली बार निर्माण उद्योग में उपयोग हेतु 8 मिलीमीटर व्यास में स्ट्रेट बार विकसित किया गया है। इस उत्पादित ग्रेड के अब तक लगभग 2200 टन की आपूर्ति ग्राहकों को की जा चुकी है, जिसमें मैसर्स एलएंडटी और मैसर्स एफक्रॉन्स आदि शामिल हैं।

एसएमएस-3 तथा वायर रॉड मिल रूट द्वारा दो नए ईडब्ल्यूएनआर और सी ए क्यू वायर रॉड ग्रेड तथा एसएमएस-3 तथा मर्चेन्ट मिल द्वारा आईएस1786 एफई600 टीएमटी री-बार्स ग्रेड 25 और 32 मिलीमीटर व्यास में विकसित किया गया है। इन नए ग्रेडों का उपयोग निर्माण उद्योग में तथा विशेष रूप से कंक्रीट संरचनाओं में उच्च एक्सल लोड वहन करने में किया जाएगा। इन ग्रेडों के उत्पाद ग्राहकों को आपूर्ति की जा चुकी है। बीआईएस स्पेसीफिकेशनों के अनुसार हाई कार्बन स्टील वायर रॉड्स के लिए एक और नया आईएस 7904 ग्रेड स्टील वायर रॉड ग्रेड एसएमएस-3 तथा वायर राड मिल द्वारा विकसित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय महत्व की कई परियोजनाओं के लिए उच्च गुणवत्ता के सरिया एवं अन्य उत्पादों की आपूर्ति के अलावा भिलाई इस्पात संयंत्र ने अब तक अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण में उपयोग हेतु 1,90,000 टन से अधिक स्टील की आपूर्ति की है। प्रतिष्ठित सेंट्रल विस्टा परियोजना में उपयोग के लिए बार एंड रॉड मिल और मर्चेंट मिल द्वारा मिलकर एचसीआर ग्रेड में लगभग 8500 टन टीएमटी बार्स की आपूर्ति की गई है।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 700489995